संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 313
पृष्ठ 8
रविवार
02 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चे ने बिस्तर पर कर दी...

विचार- जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन...

खेल- भाला-फेंक में कांस्य जीतने वाले...

पीएम मोदी ने अल्लूरी सीताराम राजू के नाम किया भोगपुरम हवाईअड्डा, कहा

परिवारवाद की परंपरा खत्म

आंध्र के विकास का रनवे है नया एयरपोर्ट : पीएम मोदी

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगपुरम में बने अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। इस हवाई अड्डे के निर्माण पर करीब 5,000 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। आंध्र प्रदेश सरकार इस आधुनिक हवाई अड्डे को पूरे उत्तर आंध्र क्षेत्र के विकास के लिए बहुत अहम मान रही है।

सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद वह राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ हवाई अड्डे का निरीक्षण करने पहुंचे। इसके बाद प्रधानमंत्री खुली छत वाले वाहन से जनसभा स्थल पहुंचे। वहां जनजातीय समुदाय की 13,500 से अधिक महिलाओं और छात्र–छात्राओं ने ढिमसा नृत्य करके उनका भव्य स्वागत किया।

भोगपुरम में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा, दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देश नए नेतृत्व की तलाश में संकट का सामना कर रहे हैं। भारत भाग्यशाली है कि उसके पास परखा हुआ नेतृत्व है। नरेंद्र मोदी जी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 25 साल पूरे किए हैं और असाधारण काम किया है।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए, स्वर्ण आंध्र के विजन के लिए बहुत अहम है। मुझे इस सुअवसर पर उत्तर आंध्र की इस पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला है।

उन्होंने कहा, आज यहां करीब 18 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। हवाई अड्डे के साथ साथ ये परियोजनाएं आंध्र प्रदेश के सड़क संपर्क से भी जुड़ी हैं। इनमें उर्जा सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाएं भी शामिल हैं। ये विकास कार्य इस बात के प्रतीक हैं कि आंध्र किस गति से आगे बढ़ रहा है। मैं आप सभी को इन परियोजनाओं की बहुत–बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

> अल्लूरी सीताराम राजू जी ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज उसी धरती पर आंध्र प्रदेश के एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है। यह एयरपोर्ट आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये आंध्र के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्चपैड है।
>
> पीएम मोदी

उन्होंने आगे कहा, आज एक ओर विकास के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, साथ ही ढिमसा डांस का सास्कृतिक रिकॉर्ड भी रचा गया है। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति, उनका उत्साह, उनका अनुशासन और आदिवासी संस्कृति का गौरव... ये दृश्य वाकई अद्भुत था। इसमें देश की विविधता की झलक भी थी और पीढ़ी दर पीढ़ी सहेजकर रखी गई जनजातीय विरासत भी थी। मैं इस प्रस्तुति के लिए आप सभी का और विशेष रूप से मेरी आदिवासी बहनों–बेटियों का बहुत–बहुत अभिनंदन करता हूं।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, अल्लूरी सीताराम राजू जी ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज उसी धरती पर आंध्र प्रदेश के एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है।

अमित शाह ने अजीत डोभाल को दिया लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार, बोले

इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ सुरक्षित

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पुणे में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित 'लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026श से सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की निडर राष्ट्रवादी सोच और एनएसए द्वारा स्थापित आधुनिक सुरक्षा ढांचे के बीच समानता बताई। तिलक की 106वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारत की सुरक्षा और विदेश नीति में डोभाल के योगदान ने उन्हें देश के इतिहास में एक स्थायी स्थान दिलाया है। शाह ने कहा कि जब भी इतिहास लिखा जाएगा और कोई आंतरिक व बाहरी सुरक्षा का विश्लेषण करेगा, तो निश्चित रूप से अजीत डोभाल जी के लिए एक स्वर्णिम पृष्ठ आरक्षित रखना होगाय इसमें कोई संदेह नहीं है। गृह मंत्री ने तिलक को श्रद्धांजलि देते हुए अपना भाषण शुरू किया और उन्हें 'युग–पुरुष' बताया, जिन्होंने आजादी की लड़ाई को बदल दिया। शाह ने कहा कि तिलक महाराज ने आजादी की लड़ाई को एक नई दिशा और नया अर्थ दियाय उन्होंने एक महान घोषणा कीरू श्स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।श कोई भी इस देश के लोगों को स्वराज नहीं दे सकताय यह अधिकार इस देश के लोगों का है और हम इसे हासिल करेंगे। उन्होंने करोड़ों लोगों के दिलों में स्वराज का मंत्र जगाया। एक युग–पुरुष, महान शिक्षक, निडर पत्रकार, विचारक, कर्मयोगीकृलोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का आजादी की पूरी लड़ाई से जो जुड़ाव था, उसकी बराबरी कोई नहीं कर सकताय वे सबसे ऊँचे स्थान पर थे।

शाह ने तिलक की ऐतिहासिक निडरता की तुलना डोभाल की ऑपरेशनल काबिलियत से की। उन्होंने कहा कि तिलक महाराज एक शिक्षक, राष्ट्रीय शिक्षा के जबरदस्त समर्थक और एक जोशीले पत्रकार थे। एक पत्रकार कितना निडर हो सकता है, यह श्केसरीश के लेख पढ़कर ही महसूस किया जा सकता है। एक महान विचारक के तौर पर, तिलक महाराज ने दुनिया के सामने भारत की आत्मा को पेश करने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि तिलक ने ष्सांस्कृतिक राष्ट्रवादष् को जन्म देने के लिए गणपति और शिवाजी उत्सव शुरू किए थेय यह एक ऐसा रास्ता है जिस पर देश आज भी चल रहा है।

आजादी का मतलब मनमानी नहीं

युवाओं से बोले अजित डोभाल– राष्ट्रहित को पहले रखें

पुणे (एजेंसी)। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को शनिवार को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति को मजबूत बनाने में अजीत डोभाल की अहम भूमिका रही है। वहीं, पुरस्कार ग्रहण करने के बाद डोभाल ने देश के युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर देश निर्माण में योगदान देने की अपील की। इस दौरान पुरस्कार स्वीकार करते हुए एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि वह इस सम्मान को विनम्रता के साथ स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे अपने जीवन का लक्ष्य केवल राष्ट्रहित रखें और छोटे–छोटे व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठें।

छात्र नहीं, मोदी जी माफी मांगे

पीएम के वीडियो के बाद राहुल गांधी का पलटवार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक और छात्रों की परेशानियों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि देश के छात्रों को प्रधानमंत्री की क्षमा की जरूरत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री को उन छात्रों और परिवारों से माफी मांगनी चाहिए जिनकी मेहनत, समय, सपने और भविष्य पेपर लीक जैसी घटनाओं ने छीन लिया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा– 'अपने बच्चों को खोने वाले माता–पिता के आंसू, उनका बिलखना– इससे बड़ा कोई दुःख नहीं होता। यह एक ऐसा गम है जो उनके साथ हमेशा जिंदा रहेगा। इसके साथ ही इस टूटी और भ्रष्ट शिक्षा व्यवस्था पर कई सवाल भी हमेशा खड़े रहेंगे। पेपर लीक, रद्द परीक्षाएं और वर्षों की तैयारी का एक पल में बर्बाद हो जाना हमारे छात्रों से उस व्यवस्था में ईमानदारी से मेहनत करने की उम्मीद की जाती है, जो खुद बेईमान हो चुकी है। और उसके बाद भी प्रधानमंत्री की ये हिम्मत है कि वो छात्रों को श्माफश करने की बात करते हैं। क्या वे उन शोकाकुल परिवारों से मिले हैं जिन्होंने अपने बच्चे को खो दिया? क्या वे उन छात्रों से मिले हैं जिनकी जमा–पूंजी, जीवन का बहुमूल्य समय और सपने पेपर लीक ने छीन लिए? जवाब है नहीं। भारत के छात्रों को प्रधानमंत्री की क्षमा की जरूरत नहीं है। मोदी जी को उनसे माफी मांगनी चाहिए।

संजय राउत का तंज

देशभक्त होते तो वंदे मातरम बिल पर पीएम मोदी सदन में होते

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत ने शनिवार को श्राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयकश के पारित होने को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विधेयक पर चर्चा के दौरान संसद से अनुपस्थित रहकर वंदे मातरम का अपमान किया। मुंबई में बात करते हुए, राउत ने बिल पर चर्चा के दौरान संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैर–मौजूदगी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम की रचना हुए 150 साल हो चुके हैं। प्रधानमंत्री खुद को बहुत बड़ा देशभक्त बताते हैं – भले ही आजादी की लड़ाई में उनकी कोई भूमिका नहीं थी – फिर भी उन्होंने खास तौर पर वंदे मातरम पर चर्चा के लिए संसद का दो दिन का विशेष सत्र बुलाया। अगर आप इतने बड़े देशभक्त हैं और आपने राष्ट्रगान और वंदे मातरम के अपमान के खिलाफ कोई बिल पेश किया है, तो सदन में मौजूद रहना आपकी जिम्मेदारी थी... सरकार, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने वंदे मातरम का अपमान किया है, इसके लिए उन पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

बनारस और पान की संस्कृतिः एक बीड़ा शहर की पहचान का

वाराणसी से राजेश कुमार ओझा की विशेष रिपोर्ट

शाम ढल रही है। दशाश्वमेध घाट की ओर जाने वाली गली में लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। एक छोटी–सी पान की दुकान के सामने कुछ लोग खड़े हैं। दुकानदार कुशल हाथों से पान का बीड़ा तैयार कर रहा है। कत्था, चूना, सुपारी और गुलकंद की परतें सजती हैं, फिर चाँदी के वर्क से सजा पान ग्राहक के हाथों में पहुँच जाता है। ग्राहक मुस्कुराता है और कहता हैकृ"अब बनारस आना सफल हुआ।"

बनारस में पान केवल खाया नहीं जाता, उसे जिया जाता है।

पान : स्वाद से आगे की कहानी

भारत के अनेक शहरों में पान मिलता है, लेकिन बनारस में पान एक सांस्कृतिक संस्था की तरह मौजूद है। यहाँ पान महज़ एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। किसी अतिथि के स्वागत से लेकर शादी–ब्याह, त्योहार और सामाजिक आयोजनों तक पान की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती रही है।

बनारस की पुरानी कहावत हैकृ"भोजन के बाद पान और बातचीत के बाद मुस्कान।" यह कहावत बताती है कि पान केवल स्वाद नहीं, बल्कि सामाजिक संबंधों का माध्यम भी है।

गलियों में बसती है पान की दुनिया

पुराने बनारस की गलियों में चलते हुए शायद ही कोई ऐसा मोड़ मिले जहाँ पान की दुकान न दिखाई दे। ये दुकानें सिर्फ व्यापार का केंद्र नहीं होतीं; वे स्थानीय समाज के छोटे–छोटे चौपाल भी होती हैं। यहाँ राजनीति पर चर्चा होती है, साहित्य पर बहस होती है, संगीत की बातें होती हैं और शहर की खबरें भी यहीं से फैलती हैं।

एक अर्थ में पान की दुकानें बनारस के सार्वजनिक जीवन की जीवंत पाठशालाएँ हैं।

बनारसी पान की पहचान

बनारसी पान की ख्याति देश ही नहीं, विदेशों तक फैली हुई है। इसकी विशेषता केवल उसके स्वाद में नहीं, बल्कि उसे बनाने की कला में भी है। पान लगाने वाले कारीगर वर्षों के अनुभव से स्वाद का ऐसा संतुलन तैयार करते हैं जो हर ग्राहक की पसंद के अनुसार बदल जाता है।

मीठा पान, सादा पान, गुलकंद पान और विशेष बनारसी पानकृहर प्रकार का अपना अलग रसिक वर्ग है। कई पर्यटक अपने साथ बनारस की याद के रूप में पान भी ले जाना पसंद करते हैं।

संस्कृति, साहित्य और सिनेमा में पान

बनारस का पान लोकगीतों, साहित्य और फिल्मों में भी बार–बार दिखाई देता है। हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध गीतों से लेकर लोकगायकों की प्रस्तुतियों तक, बनारसी पान शहर की सांस्कृतिक पहचान के रूप में स्थापित है। यह केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि बनारस के मिजाज का प्रतीक हैकृधीमा, आत्मीय, रसपूर्ण और संवादप्रिय।

बदलते समय की चुनौतियाँ

आधुनिक जीवनशैली और बदलती खान–पान की आदतों के बावजूद बनारस की पान संस्कृति अभी भी जीवंत है। हालांकि युवा पीढ़ी की पसंद में बदलाव आया है, फिर भी पान की दुकानों की रौनक कम नहीं हुई है। शहर की सांस्कृतिक स्मृति में पान आज भी उतनी ही मजबूती से मौजूद है जितना सदियों पहले था।

एक शहर का स्वाद

बनारस को समझना हो तो उसके घाटों को देखना पर्याप्त नहीं। उसकी गलियों में ठहरना होगा, लोगों से बात करनी होगी और शायद किसी पुरानी दुकान पर बैठकर एक बनारसी पान का स्वाद भी लेना होगा। तब महसूस होगा कि यह पान केवल पत्ते में लिपटा स्वाद नहीं, बल्कि सदियों पुरानी परंपरा, अपनापन और सांस्कृतिक विरासत का एक जीवंत बीड़ा है।

गंगा की धारा की तरह ही बनारस की पान संस्कृति भी निरंतर बह रही हैकृसमय बदलता है, चेहरे बदलते हैं, लेकिन बनारसी पान आज भी शहर की पहचान, उसकी आत्मा और उसके स्वभाव का अभिन्न हिस्सा बना हुआ है।

कुलगाम आतंकवादी हमला : उमर ने मारे गए मजदूरों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने का किया एलान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कुलगाम जिले में हुए आतंकवादी हमले में दो मजदूरों की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की और मृतकों के परिजनों के लिए 10–10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार यह सहायता राशि श्मुख्यमंत्री राहत कोषश से दी जायेगी और यह जिला प्रशासन की छह– छह लाख रुपये की वित्तीय सहायता के अलावा होगा। मुख्यमंत्री ने निर्दोष लोगों की जान जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। श्री अब्दुल्ला ने दोहराया कि सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार शाम कुलगाम जिले के केलम क्षेत्र में हुए आतंकवादी हमले में छत्तीसगढ़ के दो मजदूर मारे गए थे। आतंकियों ने दोनों मजदूरों पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों में से एक 24 वर्षीय दीपक रात्रे ने जीएमसी अनंतनाग में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

रेलवे ग्रुप डी की पीईटी में 1693 अभ्यर्थी सफल, पांच दिनों तक चली शारीरिक दक्षता परीक्षा

प्रयागराज। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी) इलाहाबाद की ओर से डीएसए ग्राउंड में आयोजित ग्रुप–डी भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) संपन्न हो गई है। पांच दिनों तक चली इस परीक्षा में कुल 2814 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें से 1693 अभ्यर्थी निर्धारित शारीरिक मानकों को पूरा कर अगले चरण के लिए सफल घोषित किए गए। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी) इलाहाबाद की ओर से डीएसए ग्राउंड में आयोजित ग्रुप–डी भर्ती

की शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) संपन्न हो गई है। पांच दिनों तक चली इस परीक्षा में कुल 2814 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें से 1693 अभ्यर्थी निर्धारित शारीरिक मानकों को पूरा कर अगले चरण के लिए सफल घोषित किए गए।

25 जुलाई से शुरू हुई इस परीक्षा के आखिरी दिन यानी शुक्रवार को कुल 250 अभ्यर्थियों ने पीईटी में शिरकत की। इसमें 172 सफल रहे। ओवर ऑल बात की जाए तो इस पूरी परीक्षा में 60.16 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की, जबकि 39.84 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल नहीं हो सके। आंकड़ों के मुताबिक, 25 से 28 जुलाई के बीच कुल 3733 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिनमें से 1169 अनुपस्थित रहे। महिला वर्ग की परीक्षा में भी 44 प्रतिशत महिलाएं अनुपस्थित रहीं। परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की अनुपस्थिति और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच अंतिम दिन सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गईं।

भीड़ में दौड़ाई बस, अनियंत्रित होकर गुमटी से टकराई, तीन घायल

प्रयागराज। मिर्जापुर राजमार्ग पर स्थित भीड़भाड़ वाले सरगम तिराहे के पास शुक्रवार रात 9.30 बजे चालक ने सवारियों से भरी बस तेज रफ्तार में दौड़ा दी। इससे बस अनियंत्रित हो गई। सड़क किनारे फुटपाथ पर खड़ी बाइक, साइकिल सवार और ठेले को समेटते हुए गुमटी से जा टकराई। मिर्जापुर राजमार्ग पर स्थित भीड़भाड़ वाले सरगम तिराहे के पास शुक्रवार रात 9.30 बजे चालक ने सवारियों से भरी बस तेज रफ्तार में दौड़ा दी। इससे बस अनियंत्रित हो गई। सड़क किनारे फुटपाथ पर खड़ी बाइक, साइकिल सवार और ठेले को समेटते हुए गुमटी से जा टकराई। हादसे में गुमटी के पास बैठा युवक, ठेला दुकानदार और साइकिल सवार बस के नीचे फंसकर घायल हो गए। घायलों को किसी तरह बाहर निकालकर निजी अस्पताल पहुंचाया गया।

अनुबंधित बस रामबाग से ड्रमंडगंज जा रही थी। जैसे ही बस राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड के पास पहुंची तभी दूसरी बस ने उसे ओवरटेक कर लिया। सरगम चौराहे पर सवारियों को

बैठाने के चक्कर में पीछे हुई बस के चालक ने भी रफ्तार तेज कर दी और आगे जा रही बस को ओवरटेक करना चाहा। इसी बीच चालक का बस से नियंत्रण छूट गया।

हादसे में नैनी निवासी ठेला दुकानदार रवि केसरवानी (35), रेही निवासी साइकिल सवार कृपा प्रजापति (40) और मियां का पुरा थाना औद्योगिक क्षेत्र निवासी राम बाबू घायल हो गए। रवि और कृपा तो बस के नीचे फंस गए। हादसे के बाद सवारियों में अफरातफरी मच गई। घायलों की चीख–पुकार सुनकर राहगीरों और आसपास के लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। इस दौरान मौके से भाग रहे चालक को लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चालक नशे में था। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर बस को कब्जे में ले लिया। अनियंत्रित बस ने सबसे पहले जिस बाइक को चपेट में लिया, उस पर सवार महुवारी गांव निवासी भूपेंद्र कुमार हादसे से दो मिनट पहले ही सड़क की दूसरी लेन स्थित मेडिकल स्टोर में दवा लेने चले गए थे। आंखों के सामने हादसे को देकर वह काफी घबरा गए। उन्होंने कहा कि आज तो बाल–बाल बच गए। परिवहन निगम से अनुबंधित बस सवारियों के साथ व्यावसायिक सामान भी ढोती है। बस में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम रखे थे। मौके पर इसके मालिक नहीं मिले। बताया जाता है कि इन बसों में टैक्स चोरी का माल इधर से उधर किया जाता है। धूमनगंज के साकेत नगर में एक सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी को स्कॉर्पियो से कथित तौर पर कुचलने के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोप है कि घटना के बाद चालक और उसके साथियों ने उनके साथ अभद्रता की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। घायल के बेटे ने बताया कि पिता सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी हैं। मंगलवार शाम साकेत नगर से पैदल अपने आवास सुलेमसराय लौट रहे थे। आरोप है कि नए गोदाम (बिग बास्केट) के पास पहुंचे तो पीछे से तेज गति से आई एक स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर पड़े। टक्कर के बाद चालक ने वाहन से उन्हें कुचलने का प्रयास किया। आरोप है कि चालक नशे की हालत में था। वाहन रोकने के बाद उसने अभद्रता की और फोन कर अपने कुछ साथियों को मौके पर बुला लिया। धूमनगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

फतेहपुर कायस्थान की टीम बनी फुटबॉल की जिला चैंपियन

प्रयागराज। जूनियर हाई स्कूल एलनगंज में आयोजित जिला स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत फुटबॉल प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय फतेहपुर कायस्थान की टीम ने विकासखंड सोराम को 3–2 से पराजित कर चौंपियन बनी। रोमांचक मुकाबले में फतेहपुर कायस्थान के खिलाड़ियों ने तीन गोल किए, जबकि विकासखंड सोराम की टीम 2 गोल ही कर सकी। टीम के विजयी होने पर शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

हर्ष फायरिंग के लिए नहीं है लाइसेंसी हथियार, एक एक कारतूस का देना होगा हिसाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाइसेंसी हथियार का उपयोग हर्ष फायरिंग, शादी या धार्मिक आयोजनों में नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि हर लाइसेंसधारी को खरीदे और इस्तेमाल किए गए प्रत्येक कारतूस का पूरा हिसाब रखना होगा। रिकॉर्ड नहीं होने पर शस्त्र लाइसेंस निरस्त किया जा सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि लाइसेंसी हथियार का इस्तेमाल शादी, धार्मिक आयोजनों या किसी भी प्रकार की हर्ष फायरिंग के लिए नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक शस्त्र लाइसेंसधारी के लिए खरीदे गए और इस्तेमाल किए गए कारतूसों का पूरा रिकॉर्ड रखना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने पर शस्त्र लाइसेंस निरस्त किया जा सकता है। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने अखिलेश कुमार की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। मामले में वर्ष 2019 की जांच के दौरान पता चला कि याचिकाकर्ता ने 857 कारतूस खरीदे थे, लेकिन केवल 57 जिंदा कारतूस और 33 खाली खोखे ही प्रस्तुत कर सका। शेष 757 कारतूसों के बारे में उसने दावा किया कि उनका उपयोग टेस्टिंग, शादी, छठ पूजा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजनों में हुआ, लेकिन इसका कोई रिकॉर्ड नहीं दिखा सका।

हाईकोर्ट ने कहा कि शस्त्र लाइसेंस कोई अधिकार नहीं, बल्कि शर्तों के अधीन दी गई विशेष सुविधा है। यदि लाइसेंसधारी कारतूसों का हिसाब नहीं रखता या हर्ष फायरिंग में हथियार का इस्तेमाल करता है, तो यह लाइसेंस की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है। कोर्ट ने इसी आधार पर लाइसेंस निरस्त करने के आदेश को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी।

आठ अगस्त को प्रयागराज आएंगे राहुल गांधी, पेपर लीक, शिक्षा घोटालों पर छात्रों से करेंगे संवाद

प्रयागराज। नीट, सीबीएसई, पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में श्छात्रों की गूंज रू छात्र संवादश कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसमें पूर्वांचल के कई जिलों के छात्र शामिल होंगे।

नीट और सीबीएसई घटनाक्रम को लेकर फिर देशभर कि राजनीति गर्म होने वाली है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में छात्र संवाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। 17 जून को कोटा से छात्रों की गूंज अभियान का पहले चरण की शुरुआत करने के बाद दूसरा चरण 17 जुलाई को देहरादून में हुआ। इसके बाद तीसरा चरण प्रयागराज में 8 अगस्त को होना तय हो गया है। जबकि 9 अगस्त को दिल्ली में विशाल छात्र रैली के साथ इस चरण का समापन होना था। लेकिन दिल्ली सरकार द्वारा कार्यक्रम कि अनुमति नहीं मिलने से अब श्छात्र संवादश 8 अगस्त को प्रयागराज सिविल लाइन्स स्थित केपी ग्राउंड में होना सुनिश्चित हो गया है।

पार्टी प्रवक्ता हसीब अहमद के बताया कि प्रयाग में आयोजित होने वाली श्छात्रों कि गूंजश कार्यक्रम में रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत, छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालयों के माहौल और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। बताया कि राहुल के छात्र संवाद में प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी सहित अन्य जिलों के छात्र शामिल होंगे।

कार्यक्रम कि तैयारी को लेकर रविवार को यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम प्रदेश अध्यक्ष अजय राय शहर जिला कमेटी के पदाधिकारी और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक करेंगे। प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी ने बताया कि राहुल गांधी के छात्र संवाद में प्रदेश भर के प्रतियोगी शामिल होंगे। वहीं कार्यक्रम के कोअर्डिनेटर विवेकानंद पाठक ने बताया कि छात्र संवाद में हिस्सा लेने के लिये अब तक डेढ़ लाख से अधिक युवाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी ने बताया कि श्छात्रों कि गूंजश कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौपी जा रही है।

यूक्रेन में लापता रामचंद्र की तलाश में परिजन बेहाल, पीएम मोदी से लगाई मदद की गुहार

प्रयागराज। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर हमले के बाद लापता झूंसी के नीबी कला के रामचंद्र दुबे (23) का छह दिन बाद बृहस्पतिवार को भी पता नहीं चला है। रामचंद्र के परिजन उनकी तलाश के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मीडिया के माध्यम से मदद की गुहार लगा रहे हैं। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर हमले के बाद लापता झूंसी के नीबी कला के रामचंद्र दुबे (23) का छह दिन बाद बृहस्पतिवार को भी पता नहीं चला है। रामचंद्र के परिजन उनकी तलाश के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मीडिया के माध्यम से मदद की गुहार लगा रहे हैं। परिजन विदेश मंत्रालय और यूक्रेन दूतावास से भी संपर्क कर चुके हैं। रामचंद्र के साथ बरेली के दीपक गुप्ता भी 25 जुलाई को रूस के ड्रोन हमले के बाद समुद्र में छलांग लगाने के बाद से लापता हैं।

रामचंद्र डारलो नामक कंपनी के जहाज से फरवरी 2025 में रवाना हुए थे और आठ सदस्यीय क्रू टीम में शामिल थे। 26 जुलाई को उनकी छोटी बहन सीमाक्षी दुबे को कंपनी के नोएडा कार्यालय से लापता होने की सूचना मिली थी। इसके बाद रामचंद्र के सगे भाई कृष्णदास और चचेरे भाई मुक्तेश्वर दुबे नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय और यूक्रेन दूतावास के चक्कर लगा रहे हैं। उन्हें अभी तक कोई सहायता नहीं मिल पाई है।

बुधवार को दोनों भाई नई दिल्ली में फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल और मनोज तिवारी से भी मिले थे। सांसद प्रवीण पटेल ने विदेश मंत्रालय और यूक्रेन दूतावास से पत्राचार किया है। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर मदद का भरोसा भी दिया है। बृहस्पतिवार को रामचंद्र के पिता रमेश दुबे, मां कल्पना दुबे और बड़ी बहन सीमाक्षी दुबे ने मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की अपील की।

कंपनी और अन्य लापता के परिजनों से संपर्क

बृहस्पतिवार को रामचंद्र दुबे के भाइयों ने नोएडा में डेलो शिप कंपनी के प्रबंध निदेशक सुशांत राजौरा से मुलाकात की। एमडी सुशांत राजौरा ने कृष्णदास और मुक्तेश्वर दुबे को मदद का भरोसा दिया। वहीं, लापता दीपक गुप्ता के बड़े भाई संदीप ने भी बुधवार को रामचंद्र के परिजनों से संपर्क साधा। संदीप ने बताया कि दीपक का अनुबंध दो दिन बाद समाप्त होने वाला था और वह घर लौटने वाला था।

रोमानिया बार्डर पर जहाज पर हुआ था ड्रोन और मिसाइल से हमला, तस्वीर आई सामने

यूक्रेन के जिस जहाज पर हमला हुआ था, वह रोमानिया होते हुए ग्रीस जा रहा था। रोमानिया और यूक्रेन के बॉर्डर पर रूस ने जहाज पर पहले ड्रोन और बाद में मिसाइल से हमला किया था। बृहस्पतिवार को जहाज पर हमले के बाद का एक वीडियो सामने आया है। लापता रामचंद्र की बहन सीमाक्षी ने बताया कि वीडियो में जहाज के एक हिस्से में आग की भयंकर लपटें दिख रही हैं। जहाज के केबिन के भीतर और बाहर के शीशे भी टूटे हुए बिखरे पड़े हैं। हालांकि, संवाद न्यूज एजेंसी इस वीडियो की पुष्टि नहीं करती है।

बैडमिंटन में कृष्णा और शिवम पटेल विजयी

प्रयागराज। ईश्वर दीन छेदीलाल इंटर कॉलेज में एक दिवसीय तहसील स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें आठ विद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अंडर–19 एकल प्रतिस्पर्धा में मेजबान कॉलेज के कृष्णा सोनी विजयी रहे। अंडर–17 में शिवम पटेल ने विजेता का खिताब जीता। युगल प्रतियोगिता के अंडर–19 वर्ग में ईश्वर दीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा विजेता बना। राजा कमलाकर इंटर कॉलेज शंकरगढ़ उप विजेता रहा। बालिकाओं की अंडर–19 एकल प्रतिस्पर्धा में कृषक इंटर कॉलेज कसौटा की गरिमा चौधरी विजेता बनीं। राजा कमलाकर इंटर कॉलेज की आशीष तिवारी उपविजेता रहीं। अंडर–19 युगल में गांधी शांत निकेतन गौहनिया की

मुस्कान और किंजल ने बाजी मारी। प्रधानाचार्य योगेंद्र सिंह ने प्रतियोगिता को खुला घोषित किया। मौके पर चंद्रशेखर, राम लखन प्रजापति, राकेश श्रीवास्तव, अरविंद गौतम, सुरेंद्र कुमार, अजय कुमार, दिनेश यादव और अचलेंद्र जायसवाल आदि रहे।

पिछले एक महीने में 10 से 20 फीसदी तक बढ़ गई पॉवर पेट्रोल की बिक्री

प्रयागराज। जहां पूरे देश में ई–20 पेट्रोल (जो इन दिनों नार्मल पेट्रोल कर जा रहा है) चर्चा का विषय बना हुआ है, वहीं प्रयागराज में पिछले एक महीने के दौरान इंडियन ऑयल के एक्ट्रा प्रिमियम 95, हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पॉवर और भारत पेट्रोलियम के स्पीड पेट्रोल की बिक्री में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। जहां पूरे देश में ई–20 पेट्रोल (जो इन दिनों नार्मल पेट्रोल कर जा रहा है) चर्चा का विषय बना हुआ है, वहीं प्रयागराज में पिछले एक महीने के दौरान इंडियन ऑयल के एक्ट्रा प्रिमियम 95, हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पॉवर और भारत पेट्रोलियम के स्पीड पेट्रोल की बिक्री में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। नार्मल पेट्रोल से थोड़ा ज्यादा कीमत होने के चलते लोग एक्ट्रा प्रिमियम 95, पॉवर और स्पीड पेट्रोल कम ही लोग अपने वाहनों में भरवाते थे, वहीं अब इनकी मांग ज्यादा करने लगे हैं। हालांकि नार्मल पेट्रोल की बिक्री में कोई कमी नहीं आई है। प्रयागराज में 372 पेट्रोल पंप हैं। ज्यादातर शहरी क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर ही एक्ट्रा प्रिमियम 95, पॉवर और स्पीड पेट्रोल उपलब्ध रहता है। इनकी उपलब्धता वाले पेट्रोल पंप की संख्या करीब 200 है। इन सभी पेट्रोल पंप पर एक महीने पहले तक हर दिन करीब 35 से 42 किलोलीटर एक्ट्रा प्रिमियम 95, पॉवर और स्पीड पेट्रोल की बिक्री होती थी, लेकिन अब यह हर दिन 45 से 52 किलोलीटर तक होने लगी है। वहीं, नार्मल पेट्रोल की बिक्री हर दिन 600 से 750 किलोलीटर तक होती आ रही है।

वहीं, पेट्रोल पंप संचालकों के मुताबिक कई लोग ई–20 पेट्रोल से वाहनों को होने वाले नुकसान के डर से एक्ट्रा प्रिमियम 95, पॉवर और स्पीड पेट्रोल की मांग करते हैं, जबकि इसमें भी एथेनॉल होता है। लेकिन यह एडिटिव युक्त पेट्रोल होता है।

सिविल लाइंस में थॉर्नहिल रोड स्थित मेरे पेट्रोल पंप पर एक्ट्रा प्रिमियम 95 पेट्रोल पेट्रोल की बिक्री बढ़ गई है। हर दिन 10 से 20 फीसदी ज्यादा की बढ़ोतरी हो रही है। वहीं, नार्मल पेट्रोल की बिक्री पहले जैसी ही हो रही है। – योगेश व्यास, पेट्रोल पंप संचालक

म्योराबाद में मेरे पेट्रोल पंप पर पॉवर पेट्रोल की बिक्री हर दिन करीब एक हजार लीटर होती थी, जो अब बढ़कर 1200 लीटर हो गई है। नॉर्मल पेट्रोल की बिक्री हर दिन करीब सात से आठ हजार लीटर होती है। – शलभ श्रीवास्तव, पेट्रोल पंप संचालक

कचहरी के नजदीक स्थित मेरे पेट्रोल पंप पर पहले हर दिन करीब 700–100 लीटर स्पीड पेट्रोल की बिक्री होती थी, जो अब हर दिन करीब एक हजार लीटर होने लगी है। जबकि नॉर्मल पेट्रोल की बिक्री हर दिन करीब साढ़े पांच से सात हजार लीटर होती है। – जिला उल्ला खां, पेट्रोल पंप संचालक

शहरों में अब लोग एक्ट्रा प्रिमियम 95, पॉवर और स्पीड पेट्रोल की ज्यादा मांग करने लगे हैं। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी ज्यादातर लोग अपने वाहनों में नॉर्मल पेट्रोल ही ले रहे हैं। – संजय तिवारी, महामंत्री, प्रयागराज एंड कौशांबी पेट्रोलियम डीलर्स वेलफेयर एसोसिएशन

पिछले कुछ दिनों में पॉवर पेट्रोल की मांग ज्यादा बढ़ी है। जहां पॉवर पेट्रोल नहीं मिल रहा है, वहां भी इसकी सुविधा दिए जाने की मांग हो रही है। इसके मद्देनजर प्लानिंग की जा रही है। – तुषार वर्मा, सेल्स ऑफिसर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में साक्षी सिंह अव्वल

प्रयागराज। नेशनल इंटर कॉलेज हंडिया के एनसीसी कैडेटों के बीच टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत विषय आधारित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। बेहतर पेंटिंग प्रदर्शन करके साक्षी सिंह ने पहला, शिविका सिंह ने दूसरा व श्रेया शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया। एनसीसी अधिकारी मेजर राजेशकुमार तिवारी ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। आयोजन में कैडेट गौरव सिंह, सूरजकुमार, कमल पाल, पंकज पाल, आशीष कुमार आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

खेल प्रतियोगिता से बच्चों का होता है सर्वांगीण विकासः ओम प्रकाश केशरी

प्रयागराज। विकासखंड कोराव के प्राथमिक विद्यालय कुकुर हटा में शुक्रवार को सुबह आठ से लेकर दोपहर एक बजे तक संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कबड्डी खो–खो, दौड़, ऊंची–कूद और लंबी–कूद जैसे खेल आयोजित किए गए। जिसमें संकुल के अंतर्गत आने वाले सभी परिषदीय विद्यालयों के बच्चे प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत कोरांव के अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी सम्मिलित होकर, हरी झंडी दिखाकर खेल स्पर्धाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि उनमें टीम भावना, अनुशासन और आगे बढ़ने का हौसला भी पैदा करते हैं। इस दौरान कार्यक्रम में ग्राम प्रधान ज्योति प्रकाश सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता रामकृष्ण केशरी, मंडल अध्यक्ष (युवा मोर्चा) सुमित कुमार पांडेय, शिक्षकगणों में हरीशंकर सिंह, कृष्ण शंकर पाण्डेय, संतोष कुमार कौल आदि रहे।

अनुशासन और ईमानदारी सफलता की कुंजी : प्रवीण कुमार

प्रयागराज। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ददौली में शुक्रवार को अंतिम वर्ष के प्रशिक्षुओं के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रशिक्षुओं की मेहनत और उपलब्धियों को सराहा गया साथ ही उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि जीवन में ईमानदारी, अनुशासन और निरंतर परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्थान से मिली शिक्षा को वे अपने कार्यक्षेत्र में सिद्ध करें। विदाई समारोह में प्रशिक्षुओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न ट्रेडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रशस्ति–पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सेवायोजन अधिकारी प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन के तहत पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ एक अगस्त से संस्थान में किया जाएगा।

'जायज़ हत्यारे' के प्रभावशाली मंचन ने अपराध, न्याय और मानवीय विवेक पर सोचने को किया मजबूर

प्रयागराज। रंगकर्म के क्षेत्र में सक्रिय संस्था रंगचक्र द्वारा संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित 25 दिवसीय प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला का समापन 1 अगस्त 2026 को देव भूमि पब्लिक स्कूल, प्रयागराज में अल्बेयर कामू द्वारा लिखित तथा दीपा शाही एवं सुरेश भारद्वाज द्वारा रूपांतरित नाटक ष्जायज़ हत्यारेष के प्रभावशाली मंचन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की। अपराध और न्याय के बीच खड़ा एक इंसान इसी केंद्रीय विचार को आधार बनाकर प्रस्तुत इस नाटक ने दर्शकों को गहरे आत्ममंथन के लिए

प्रेरित किया। नाटक यह प्रश्न उठाता है कि क्या किसी बड़े आदर्श, क्रांति या न्याय की स्थापना के लिए हत्या को उचित ठहराया जा सकता है? सत्ता, नैतिकता, न्याय और मानवीय संवेदनाओं के बीच संघर्ष को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया गया। नाटक का प्रत्येक दृश्य दर्शकों को यह सोचने पर विवश करता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, मनुष्य का विवेक और नैतिकता ही उसके निर्णयों की वास्तविक कसौटी है। इस प्रस्तुति का निर्देशन गौरव शर्मा ने किया। प्रमुख भूमिकाओं में देविका के रूप में अलका सिंह, ओंकार की भूमिका में आशुतोष कुमार सिंह, विमी के रूप में हेमंत सिंह, सूखेन की भूमिका में अनुपम चौधरी, विवान की भूमिका में अली मुर्तजा तथा चीफ़ की भूमिका में गौरव शर्मा ने प्रभावशाली अभिनय किया। सभी कलाकारों ने अपनी सशक्त प्रस्तुति से दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। मंच के पीछे संगीत का दायित्व रवींद्र वर्मा, प्रकाश व्यवस्था शिवम प्रताप सिंह, उद्घोषणा सत्यम तिवारी, रूप सज्जा अलका सिंह, वस्त्र विन्यास हेमंत सिंह तथा वीडियो एवं फोटोग्राफी देवेश सिंह ने संभाली। कार्यक्रम के अंत में रंगचक्र परिवार ने देव भूमि पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका मिश्रा, विद्यालय परिवार, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली, सभी कलाकारों, प्रतिभागियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था के निर्देशक गौरव शर्मा ने कहा कि रंगचक्र भविष्य में भी ऐसे नाटकों का मंचन करता रहेगा जो समाज में संवेदनशीलता, वैचारिक चेतना और मानवीय मूल्यों को सशक्त बनाने का कार्य करें।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 26/35 — दिनांक: 31.07.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38261612	नन - एस्बेस्टस 'एल' टाइप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लॉक	82547 नग	27.08.2026
2	38261512	स्प्रिंग प्लैंक फॉर कैसनब 22 डब्ल्यू बोगी	1275 नग	31.08.2026
3	38261886	लोड सेंसिंग वॉल्व	3647 नग	02.09.2026
4	38263123	कास्ट स्टील वेज	3927 नग	24.09.2026
5	30262046	सेकेंडरी स्प्रिंग फॉर चेयर कार (इनर) फॉर फियट बोगी ऑफ एलएचबी कोचेज	286 नग	24.08.2026
6	30263103	डबल साइड ओपनबले डोर क्लोजर कन्सोलिडेड टाईप	1082 नग	08.09.2026
7	38262516	बुश (ब्रॉन्ज़) फॉर डोर ऑपरेटिंग मैकेनिज्म	2018 नग	17.08.2026
8	38264264	राउंड हेड लॉक बोल्ट 19.5 एम एम व्यास	135355 नग	29.09.2026
9	38261443	फ्लैप डोर अरेंजमेंट	1604 नग	12.10.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1763/26(AK)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं०: पी आर वाई जे-सिग-024-2026-27 — दिनांक: 30.07.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.:- 024	अनुमानित मूल्य : ₹ 33128041.44

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के सुजातपुर, छिवकी एवं नैनी-माणिकपुर खंड में स्थापित Siemens निर्मित एमएसडीएसी प्रणाली का तीन वर्षों की अवधि हेतु व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।

धरोहर राशि : ₹ 662600/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य : ₹ 0.00
कार्य समापन की अवधि : छत्तीस माह	निविदा खुलने की तिथि : 27.08.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्योरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्योरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्योरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 2080 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी। निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन तक। निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 1753/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 211-एस/टी.एस./टेन्डर नोटिस/ट्रायल 01/2026-27 — दिनांक: 29.07.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:-

RDSO ड्राइंग नंबर T-8780 के अनुसार 1 in 12 थिक वेब स्विच और RDSO ड्राइंग नंबर T-9775 के अनुसार 1 in 8.5 थिक वेब स्विच का इस्तेमाल करते हुए, टंग रेल की रिलीफ प्लानिंग के बिना थिक वेब स्विच का निर्माण, सप्लाई और फील्ड ट्रायल।

क्रम संख्या	सामग्री का विवरण	टेंडर की गई मात्रा
1	RDSO ड्राइंग नंबर T-8780 के अनुसार मौजूदा 1 in 12 थिक वेब स्विच का उपयोग करते हुए, बिना टंग रेल की रिलीफ प्लानिंग वाले थिक वेब स्विच का निर्माण, आपूर्ति और फील्ड ट्रायल।	10 सेट
2	RDSO ड्राइंग नंबर T-9775 के अनुसार मौजूदा 1 in 8.5 थिक वेब स्विच का उपयोग करते हुए, टंग रेल की रिलीफ प्लानिंग के बिना थिक वेब स्विच का निर्माण, आपूर्ति और फील्ड ट्रायल।	10 सेट

टेंडर का अनुमानित मूल्य: ₹ 1,45,49,400/-	बयाना राशि: ₹ 2,90,990/-
पूरा करने की अवधि: 06 महीने	टेंडर खोलने की तारीख: 31.08.2026

नोटः- (1) उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS की वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी class III Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेब साइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किए जा रहे दस्तावेजों को निविदाकार द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए। (5) स्टोर आइटम आर.डी.एस.ओ. अनुमोदित/विकासात्मक फर्मों के लिए आरक्षित है। 1745/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

योगी सरकार, बुलेट की रफ्तार

बेसिक-माध्यमिक शिक्षा विभाग में 22 दिनों में हुई 5.23 लाख शिक्षक-कार्मिकों की ई-केवाईसी
मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना को मिली रिकॉर्ड रफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों

की स्वास्थ्य सुरक्षा को नई मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन में रिकॉर्ड गति हासिल की है। 8 जुलाई को वाराणसी से बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए योजना के शुभारंभ के मात्र 22 दिनों में लगभग 42 प्रतिशत पात्र शिक्षक–कार्मिकों की ई–केवाईसी पूरी कर ली गई है। 26 जुलाई को आगरा से उच्च शिक्षा विभाग के लिए योजना शुरू होने के मात्र चार दिनों में ही 47 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का ई–केवाईसी पूरा हो चुका है। ई–केवाईसी पूर्ण होने के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में 20 फरवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। प्रदेश सरकार ने योजना का प्रारूप, पोर्टल, सूचीबद्ध अस्पतालों की व्यवस्था तथा अन्य विभागीय तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी कीं। घोषणा के मात्र 138 दिनों के भीतर 8 जुलाई को वाराणसी से मुख्यमंत्री ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ कर दिया। इसके 18 दिन बाद 26 जुलाई को आगरा से उच्च शिक्षा विभाग को भी योजना के दायरे में शामिल कर लिया गया। कम समय में मिली यह प्रगति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और शासन स्तर पर की जा रही सतत निगरानी का प्रमाण है।तीनों शिक्षा विभागों के कुल 12,89,018 पात्र शिक्षक–कार्मिकों में से 5,40,878 शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित ई–केवाईसी पूरी कर मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना से जुड़ चुके हैं। बेसिक शिक्षा विभाग में योजना अंतर्गत 11,03,464 पात्र शिक्षक–कार्मिकों को शामिल किया गया है। इनमें से अब तक 4,57,390 लाभार्थियों ने ई–केवाईसी पूरी कर ली है। माध्यमिक शिक्षा विभाग में 1,47,543 पात्र लाभार्थियों में से 65,754 शिक्षक–कार्मिकों की ई–केवाईसी पूरी हो चुकी है।26 जुलाई को आगरा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उच्च शिक्षा विभाग को योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने के बाद अभियान ने तेज रफ्तार पकड़ी है। 38,011 पात्र लाभार्थियों में से मात्र चार दिनों के भीतर 17,734 लाभार्थियों ने ई–केवाईसी पूरी कर ली है। यह कुल पात्र लाभार्थियों का लगभग 47 प्रतिशत है, जो योजना के प्रति तेजी से बढ़ते जुड़ाव को दर्शाता है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभाग व शासन स्तर पर निरंतर समीक्षा की जा रही है।

बैकयार्ड मत्स्य पालन से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की तस्वीर

सिंघी मछली पालन से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मिल रहा आर्थिक लाभ-केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को मत्स्य पालन विभाग एवं उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन यूपीएसआरएलएम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में मत्स्य पालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती तथा महिला सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि बैकयार्ड मत्स्य पालन जैसी नवाचार आधारित योजनाओं का व्यापक विस्तार करते हुए अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़ा जाए तथा उन्हें आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, विपणन और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अनेक अभिनव योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बैकयार्ड मत्स्य पालन परियोजना इसी दिशा में एक सफल मॉडल के रूप में उभरी है, जिसने महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ–साथ उनके आत्मविश्वास, सामाजिक सम्मान और आर्थिक स्वावलंबन को भी नई पहचान दी है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं मत्स्य निदेशालय की संयुक्त पहल के अंतर्गत प्रदेश के 10 जनपदों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बैकयार्ड मत्स्य पालन परियोजना से जोड़ा गया है। इसके तहत महिलाओं द्वारा अपने घर के निकट 10,000 लीटर क्षमता एवं 4 मीटर व्यास वाले आधुनिक बायोफ्लॉक टैंकों में सिंघी मछली का वैज्ञानिक ढंग से पालन किया जा रहा है। लगभग आठ माह की उत्पादन अवधि वाली यह तकनीक कम स्थान, कम पानी और कम लागत में अधिक उत्पादन सुनिश्चित कर रही है, जिससे महिलाओं की आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। सिंघी मछली उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, फॉस्फोरस एवं अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होती है। कम वसा होने के कारण यह स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी है तथा बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा बुजुर्गों के पोषण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बायोफ्लॉक तकनीक के माध्यम से सिंघी मछली के उत्पादन में वृद्धि कर प्रदेश में पोषण सुरक्षा को भी सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

विधानसभा सत्र तीन से, चार को पेश होगा अनुपूरक बजट

नए लिंक एक्सप्रेस-वे, स्कूटी योजना को मिलेगा वित्तीय बल
परियोजनाएं पूरी करने पर रहेगा जोर

लखनऊ (संवाददाता)। विधानसभा के मानसून सत्र में पेश होने वाले अनुपूरक बजट में बुनियादी ढांचे और जनकल्याण योजनाओं पर फोकस रहेगा। अनुपूरक बजट 4 अगस्त को पेश होगा। अनुपूरक बजट में विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश सरकार कुछ लोकलुभावन और कुछ नई योजनाओं की घोषणा कर सकती है।अनुपूरक बजट का आकार 50,000 करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है। बजट में जीरो पॉवर्टी स्कीम को विस्तार मिल सकता है।अनुपूरक बजट में प्रदेश में बनने वाले तीन नए लिंक एक्सप्रेस–वे के लिए बजट आवंटन हो सकता है। अनुपूरक बजट में फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस–वे, आगरा–लखनऊ और पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे को जोड़ने वाले लिंक एक्सप्रेस–वे के निर्माण कार्य के लिए धनराशि आवंटन हो सकता है। राज्य सरकार की कोशिश है कि विधानसभा चुनावों से पहले लिंक एक्सप्रेस–वे का शिलान्यास कर दिया जाए। मौजूद एक्सप्रेस–वे की मरम्मत, रखरखाव, सड़क निर्माण परियोजनाओं के विस्तार के लिए अनुपूरक में व्यवस्था की जाएगी।चुनावों से पहले राज्य सरकार स्कूटी योजना को रफ्तार देगी। हाल ही में कैबिनेट ने रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना की मंजूरी दे दी है। योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2025–26 में स्नातक पास करने वाली टॉप पांच प्रतिशत मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी दी जाएगी।अनुपूरक बजट में सबसे अधिक जोर बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं पर रहने की संभावना है। फरवरी में पेश किए गए 9.12 लाख करोड़ रुपये के मूल बजट में भी सरकार ने अवसंरचना, रोजगार और स्वास्थ्य क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी थी। ऐसे में अनुपूरक बजट के माध्यम से गंगा एक्सप्रेस–वे पूर्वांचल और बुंदेलखंड क्षेत्र की संपर्क परियोजनाओं, नए औद्योगिक कॉरिडोर, लॉजिस्टिक्स पार्क, शहरी विकास योजनाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि मिल सकती है।जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्र के विकास, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर पार्क और औद्योगिक निवेश परियोजनाओं के लिए भी अतिरिक्त प्रावधान की संभावना जताई जा रही है।

बंद होगा "टुंडे कबाबी"? लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए अग्निशमन विभाग ने की संस्तुति

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ के कपूरथला रोड स्थित टुंडे टावर्स में मो. उसमान, मो. सलमान, तौसीफ जहां द्वारा संचालित टुंडे कबाबी एक बार फिर नकारात्मक चर्चा में है। अग्नि सुरक्षा को लेकर लब्धप्रतिष्ठित समाजसेविका और आरटीआई कार्यकत्री राजाजीपुरम निवासी उर्वशी शर्मा द्वारा की गई शिकायत पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा द्वारा उपलब्ध कराए गए निस्तारण में यह दर्ज किया गया है कि विभागीय निरीक्षण के दौरान भवन में मानकानुसार अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं पाई गई। इसके बाद भवन स्वामी और प्रबंधक को उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा अधिनियम 2022 एवं नियमावली 2024 के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निस्तारण के अनुसार निर्धारित अवधि में आवश्यक अनुपालन न होने पर भवन का लाइसेंस निरस्त किए जाने हेतु सक्षम प्राधिकारी को भी संस्तुति भेजी जा चुकी है। शिकायतकर्ती उर्वशी ने अब मुख्य अग्निशमन अधिकारी को पुनः प्रार्थना पत्र देकर कहा है कि विभाग के अपने अभिलेखों में गंभीर अग्नि सुरक्षा कमियां दर्ज होने तथा लाइसेंस निरस्तीकरण की संस्तुति किए जाने के बाद भी यदि प्रतिष्ठान का संचालन जारी है तो यह सार्वजनिक सुरक्षा का गंभीर विषय है। शिकायत में तत्काल पुनः संयुक्त निरीक्षण कराने, वर्तमान स्थिति का सत्यापन करने, सभी कमियों के पूर्ण अनुपालन तक प्रतिष्ठान को सील कर संचालन बंद कराने तथा संबंधित उत्तरदायी व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की मांग की गई है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि हालिया अलीगंज अग्निकांड जैसी घटनाओं के बाद अग्नि सुरक्षा नियमों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर जनहानि का कारण बन सकती है। ऐसे में विभागीय निष्कर्षों के अनुरूप प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई किया जाना जनहित और सार्वजनिक सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि अग्निशमन विभाग अपने पूर्व निरीक्षण और निस्तारण में दर्ज तथ्यों के आधार पर आगे क्या कार्यवाही करता है तथा संबंधित प्रतिष्ठान में अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराया जाता है या नहीं। बकौल उर्वशी अग्निशमन महकमे की यह कार्रवाई पीत पत्रकारिता में लिप्त उन सभी पत्रकारों के मुंह पर कालिख पोत रही है जो मो. उसमान, मो. सलमान, तौसीफ जहां जैसे टुकड़ों के एवज में आये दिन टुंडे की तारीफ के पुलिंदे बांधते दिखाई देते रहते हैं स उर्वशी का यह भी कहना है कि अग्निशमन महकमे की यह कार्रवाई लखनऊ के उस "दल्ला गैंग" के सदस्यों के मुंह पर भी कालिख पोत रही है जो मो. उसमान, मो. सलमान, तौसीफ जहां जैसों के टुकड़ों के एवज में टूलकिट की तरह सोशल मिडिया पर टुंडे जैसों की तारीफों के साथ–साथ टुंडे जैसों के खिलाफ शिकायत करने वाले शिकायतकर्ताओं को झूंठा बदनाम करने की मुहिम चलाते हैं।

रातभर गूंजती रहीं दहाड़ें, सुबह खेत के पास मिला तेंदुए का शव

लखनऊ (संवाददाता)। महराजगंज के सोहगी बरवा वन्यजीव प्रभाग अंतर्गत निचलौल रेंज के मिश्रौलिया में शनिवार सुबह एक नर तेंदुए का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। तेंदुए की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी। शनिवार तड़के गांव की कुछ महिलाएं नित्यक्रिया के लिए गांव के पश्चिम दिशा की ओर जा रही थीं। राजवंशी के गन्ने के खेत के पास चकरोड पर उन्हें एक नर तेंदुआ मृत अवस्था में पड़ा दिखाई दिया। तेंदुए को देखते ही महिलाओं ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई।ग्रामीणों के मुताबिक शुक्रवार रात गांव के आसपास लगातार तेंदुओं की दहाड़ें सुनाई दे रही थीं। लोगों का अनुमान है कि रात में दो या अधिक तेंदुओं के बीच संघर्ष हुआ होगा, जिसके चलते एक नर तेंदुए की मौत हो गई। हालांकि इस दावे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

संशय की दीवार

(छप्पय)

शक–शुबहा की भोर सदा सुख पल को हरके।
मन को कर अशांत कहानी नूतन गढ़ के।
ली जिसने पहचान चिह्न पाँवों का इनका।
खुद में रहकर मस्त ख्याल रखता है सबका।
गोपनीयता ज्यों बढ़ी आपस के संवाद से।
हरियाली मुरझा गई संशय वाली बात से।।

संशय की दीवार भ्रांतियों की है खाई।
अपनों पर संदेह नई संस्कृति ले आई।
बाना जिसका ओढ़ आधुनिक युग के बंदे।
अपनो के हो पास बने रहते हैं अंधे।
हँसी ठिठोली मौज दिखें केवल शब्दों में।
अपनेपन का भाव हुए गायब लहज़ों में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी विश्वनाथ चारिआलि शाखा द्वारा पांच दिवसीय स्थानीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर संपन्न

विश्वनाथ, असम। विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी विश्वनाथ चारिआलि शाखा के सौजन्य में पांच दिवसीय "स्थानीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर" का आयोजन किया गया। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन में यह शिविर २५ से २६ जुलाई तक आयोजित हुई। शिविर में प्रत्येक दिन अलग

–अलग बौद्धिक सत्र, शारीरिक का अभ्यास के साथ अपने समूह के साथ चर्चा करते हुए गानाशाह प्रस्तुति किया गया। बौद्धिक सत्र में शहर के समाजसेवी प्रभुनाथ सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सेवा प्रमुख डॉ० सरजीत दास आदि ने शिविरार्थी के समक्ष अपने विषय पर प्रकाश डाले ।शाम को भजन संध्या में भारत माता की पूजन भी किया गया। इस शिविर में कुल शिविरार्थी की संख्या 30 और आयोजक की समूह की संख्या 23 के साथ 53 लोगों ने अपना योगदान दिया ।मां भारती की चारणों में प्रणाम करते हुए शिविर का समापन हुईं। उल्लेखनीय है कि विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी का उद्देश्य मानव निर्माण राष्ट्र पुनरूत्थान हेतु कार्यकर्ता का प्रशिक्षण अलग,अलग कार्यपद्धति के वर्ग को लेते हुए यह पांच दिवसीय शिविर आयोजित करना है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या :-15-विद्युत/सा0/प्रयागराज/26-27 — दिनांक : 29.07.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक - 24.08.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

निविदा सूचना संख्या : ELG-40-2627	काम की लागत (रु में) : 5816411.55

कार्य का नाम : SSE/PS/MZP, PCOI, SBDR, MKP और लाइन सेक्शन के अंतर्गत EI बिल्डिंग में सोलर पावर प्लांट लगाने की व्यवस्था।

बिड सिक्योरिटी (रु में) : 116300.00	कार्य सम्पन्न करने की समयावधि : 36 माह

निविदा खुलने की तिथि : 24.08.2026, समय - 15:00 बजे

नोट : 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध हैं। 1757/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONC

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा निविदा सूचना — दिनांक: 30.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदायें, निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है-

ई-निविदा सूचना संख्या: NCR-M-PRYJ-VS-04-26

कार्य का नाम: प्रयागराज एवं कानपुर कोचिंग डिपो हेतु विभिन्न प्रकार के डिजिटल मुद्रित विनाइल-कोटेड स्टिकरों की आपूर्ति एवं चिपकाने का कार्य तीन वर्ष की अवधि के लिए।

निविदा सिस्टम: सिंगल पैकेट सिस्टम	कार्य का अनुमानित लागत: ₹ 4126329.04	
बिड सिक्योरिटी: ₹ 82500/-	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य	कार्य की अवधि: 36 माह

IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि: 30.07.2026

निविदा बंद होने की तिथि: 24.08.2026

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगा। 2. ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती हैं। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। 4. न्यूनतम पात्रता मानदंड इस निविदा में लागू नहीं है। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1751/26 (PH)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या:- 230-वि/कर्षवि/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/648 — दिनांक: 31.07.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कर्षवि/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-कर्षवि-कार्य ठेका-1037-2026

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के अधीन डब्लूटीपीसी साइडिंग दादरी में सिग्नल इन्टिग्रेशन के कारण 25 केवी ओ.एच.ई (OHE) संशोधन एवं महत्वपूर्ण ओ.एच.ई (OHE) विश्वसनीयता वृद्धि कार्य।

अनुमानित लागत: रु. 3,60,71,393.20	बिड सुरक्षा राशि: रु. 7,21,400.00
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 21.08.2026, 14:00 बजे	बोली प्रणाली: एक पैकेट
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 21.08.2026, 15:00 बजे	कार्य अवधि: 12 महीना

नोट:(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1766/26 (D)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

करप्शन अगेंस्ट इंडिया

2004 से लेकर 2014 तक देश में यूपीए शासन रहा, जिसकी अगुवाई कांग्रेस ने की। इस सरकार पर 2010 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स, कोयला ब्लॉक आबंटन और 2जी स्पेक्ट्रम के आबंटन में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे। 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार मिटाने के लिए लोकपाल लाने के नाम पर ही लंबा आंदोलन किया। जिसमें भाजपा और मीडिया का पूरा साथ रहा। तब फिल्म जगत के लोगों ने भी डॉ.मनमोहन सिंह का खूब मजाक उड़ाया। तब केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर भी सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए उसे पिंजरे का तोता कहा था। कांग्रेस के खिलाफ बने इस माहौल का ही असर था कि 2014 में भाजपा की सरकार बनी और इसके बाद कभी कांग्रेसमुक्त भारत तो कभी विपक्षमुक्त भारत बनाने की कोशिशें हुईं। यह और बात है कि भाजपा की ये कोशिशें नाकाम रहीं, मगर देश के लोकतांत्रिक ढांचे को इसमें जबरदस्त नुकसान हुआ है। ये सारी बातें इस समय करने की जरूरत पड़ रही है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कोयला ब्लॉक आबंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ आपराधिक मामले को बंद कर दिया और उन्हें समन जारी करने के आदेश को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई ने 2014 में दो बार क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर साफ कहा था कि मनमोहन सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। इसके बावजूद विशेष अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर दी थी और 2015 में उन्हें आरोपी के रूप में तलब कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अब कहा कि विशेष अदालत के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को ठुकराने का कोई ठोस कारण नहीं था, इसलिए अदालत ने उस आदेश को रद्द करते हुए मामला गुण–दोष के आधार पर बंद कर दिया। चूंकि 27 दिसंबर 2024 में मनमोहन सिंह का निधन हो चुका था, इसलिए यह फैसला उन्हें मरणोपरांत कानूनी राहत देने वाला माना जा रहा है। डा. सिंह अपने निर्दोष होने के फैसले को सुनने के लिए इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन जनवरी 2014 में अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मनमोहन सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सवाल पर कहा था, श्मैं इस मामले में थोड़ा दुरूखी महसूस करता हूं क्योंकि मैंने ही इस बात पर जोर दिया था कि स्पेक्ट्रम आबंटन पारदर्शी और निष्पक्ष हो। मैं ही था जिसने जोर देकर कहा था कि कोल ब्लॉक का आबंटन नीलामी के आधार पर हो, लेकिन इन तथ्यों को भुला दिया गया। इस मामले में विपक्ष का अपना स्वार्थ निहित था। कुछ मौकों पर मीडिया उनके हाथ का खिलौना भी बन गया। उन्होंने कहा था कि श्इसलिए मेरे पास इसकी हर वजह है कि जब भी इस समय का इतिहास लिखा जाएगा, हम बेदाग बाहर आएंगे। मनमोहन सिंह ने कहा, मैं मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति आज के मीडिया के मुकाबले ज्यादा उदार होगा। मनमोहन सिंह ने कहा कि यह फैसला इतिहासकारों को करना है कि मैंने क्या किया और क्या नहीं किया। महज 12 साल पहले का ऐसा राजनैतिक माहौल अब सपने जैसा नजर आता है कि प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस किया करते थे, अपने ऊपर और अपनी सरकार पर लगे आरोपों को लेकर जवाब देते थे। अब न तो प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस करते हैं, न मीडिया के लोग उनसे भ्रष्टाचार पर बातें करते हैं। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी तो ताजा प्रकरण है, पिछले बारह बरसों में कई और ऐसे प्रकरण हुए, लेकिन हर बार नैरेटिव बदल कर सरकार को जवाबदेही से निकलने का मौका मीडिया देता रहा। फिलहाल नरेन्द्र मोदी तो यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि इतिहास मेरे साथ न्याय करेगा। लेकिन डॉ.मनमोहन सिंह जानते थे कि सच कभी पराजित नहीं होता, इसलिए उन्होंने पहले ही अपने साथ होने वाले न्याय की बात कह दी थी। दरअसल कोयला ब्लॉक आबंटन में यह आरोप लगाए गए कि सरकार ने निजी कंपनियों को बिना बोली लगाए आबंटन कर दिया, इससे कम से कम 10 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। यूपीए सरकार में कोयला सचिव रहे पी.सी. पारेख, इस मामले में व्हिसलब्लोअर माने जाते हैं। पारेख ने दावा किया था कि उन्होंने 2004 में ही प्रधानमंत्री को विवेकाधीन आबंटन प्रक्रिया में धोखाधड़ी की संभावना के बारे में लिखित रूप में सूचित किया था और खुली नीलामी की वकालत की थी। आरोप था कि प्रधानमंत्री ने इसे नजरअंदाज कर दिया और उनके कोयला मंत्रालय के कार्यकाल में बिना नीलामी के 142 कोयला ब्लॉक आबंटित कर दिए गए। डॉ. मनमोहन सिंह पर मुख्य आरोप 2005 में ओडिशा के तालाबिरा–ढ्ढढ्ढ कोयला ब्लॉक को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को आबंटित करने से जुड़ा था। जांच में यह आरोप लगा था कि इस आबंटन को मंजूरी देने से एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को वित्तीय नुकसान हुआ और एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। लेकिन लंबी जांच के बाद भी जब कुछ नहीं मिला तो अब न केवल मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई है, बल्कि डॉ. सिंह को क्लीन चिट भी मिल गई है। ऐसा ही परिणाम टू जी स्पेक्ट्रम आबंटन में घोटाले के इल्जाम का भी निकला था। कैग की रिपोर्ट में कहा गया था कि नीलामी न करने से राजस्व में भारी घाटा हुआ। इसी आधार पर ए.राजा और कनिमोझी को जेल भी भेजा गया। लेकिन दिसंबर 2017 में विशेष सीबीआई अदालत ने पर्याप्त सबूत न मिलने के कारण सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया।

जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन, विरोध का पांच हफ्ते का दौर

दीपांकर भट्टाचार्य

युवाओं के पांच हफ्ते तक चले अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शनों ने मोदी सरकार के अहंकार और 2014 में सत्ता में आने के बाद से नरेंद्र मोदी के अजेय होने के भ्रम को सबसे बड़ा झटका दिया है। पुलिस की बर्बरता से लेकर लोगों की सोच को प्रभावित करने की तमाम तरकीबों तक, सरकार ने नाकाम शिक्षा मंत्री को बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की, लेकिन इस बार कोई भी तरीका काम नहीं आया। खासकर पिछले एक हफ्ते में, आंदोलन को रोकने की कोशिशें–जैसे 18 जुलाई को जंतर–मंतर से सोनम वांगचुक का सुबह–सुबह आपत्तिजनक तरीके से उठाकर ले जाना और 20 जुलाई को संसद तक ऐतिहासिक मार्च पर पुलिस की चौंकाने वाली कार्रवाई के बाद मोदीजी की आधी रात को बार–बार वीडियो अपील– उल्टी पड़ गईं और विरोध–प्रदर्शनों की तीव्रता और देशव्यापी विस्तार को और बढ़ा दिया, जिससे सरकार के पास धर्मेंद्र प्रधान की बलि देने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। हालांकि विरोध ा आंदोलन ने अपनी सबसे तात्कालिक मांग पूरी कर ली है, लेकिन पूरे भारत में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्याचार और उत्पीड़न में कोई कमी नहीं आई है। सैंकड़ों कार्यकर्ता अभी भी बिहार की जेलों में बंद हैं और लोगों को फंसाकर गिरफ्तार किया जा रहा है। गिरफ्तार प्रमुख नेताओं में जेएनयू एसयू के पूर्व महासचिव और पालीगंज से फिर से चुने गए सीपीआई (एमएल) विधायक संदीप सौरभ, जेएनयू एसयू के पूर्व अध्यक्ष धनंजय कुमार, बिहार एआईएसए नेता सबा आफरीन और दीपांकर, पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर और कई अन्य शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में, भाजपा सरकार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करने के लिए हाल ही में बने कठोर श्गुंडा दमन कानूनश का इस्तेमाल कर रही है, जिसमें खासकर मुस्लिम युवाओं को निशाना बनाया जा रहा है। सरकार के साथ सीजेपी की घोषित समझ के अनुसार, यह हिरासत में लिए गए सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा करने और उन पर लगाए गए आरोपों और मामलों को वापस लेने के आश्वासन का उल्लंघन है। दिल्ली पुलिस द्वारा बर्बर बल और पैलेट गन के इस्तेमाल और सादे कपड़ों में लोगों द्वारा आरएएफ कर्मियों और अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर प्रदर्शनकारियों की पिटाई करने के भी पर्याप्त दस्तावेजी सबूत हैं। बिहार से पुलिस द्वारा एके–47 असॉल्ट राइफल के इस्तेमाल की खबरें हैं। खबरों के अनुसार, आरएएफ की महानिरीक्षक सीमा धुंधिया ने एक आंतरिक समीक्षा में भीड़ को नियंत्रित करने के नाम पर जरूरत से ज्यादा और अनावश्यक बल के इस्तेमाल को स्वीकार किया है। पुलिस के अपने नियमों के इस खुलेआम उल्लंघन के लिए कौन जवाबदेही लेगा? दिल्ली पुलिस अमित शाह के गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है। गलती करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई, अमित शाह की जवाबदेही और पूरे भारत में युवा आंदोलन के प्रदर्शनकारियों के लिए आम माफी लागू किए बिना आंदोलन के मौजूदा चरण का कोई अंत नहीं हो सकता। धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल में बार–बार पेपर लीक होने की घटनाओं के लिए उनसे इस्ती+फे की मांग उठी थी। अब सरकार पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए फास्ट–ट्रैक कोर्ट बनाने और दोषियों को सख्त सजा देने का प्रस्ताव कर रही है। यह तथाकथित फास्ट–ट्रैक उपाय असल में पेपर लीक की असली समस्या का समाधान नहीं है। जरा कुछ जरूरी तथ्यों पर गौर करें। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए ने हाल ही में अपने लगभग 200 कर्मचारियों में से 47 को नौकरी से निकाल दिया है, लेकिन उनके नाम, पद और लीक में उनकी कथित भूमिका का खुलासा नहीं किया है। जब हर चार में से एक कर्मचारी के लीक में शामिल होने का शक हो, तो यह एनटीए की ईमानदारी पर ही सवाल खड़े करता है। अब समय आ गया है कि एनटीए को भंग कर दिया जाए और उसकी जगह एक नई एजेंसी बनाई जाए, जो संसदीय कानून के तहत काम करे और पारदर्शिता व जवाबदेही के नियमों का पालन करे। ठीक उसी समय जब सरकार फास्ट–ट्रैक कोर्ट बनाने और सजा बढ़ाने की बात कर रही है, 2024 नीट पेपर लीक के एक मुख्य आरोपी को सीबीआई से क्लीन चिट मिल गई। और यह भी ध्यान दें कि जिस दिन नरेंद्र मोदी ने श्पेपर लीक में शामिल लोगों को त्वरित और श्सख्त सजाश दिलाने के लिए फास्ट–ट्रैक कोर्ट बनाने के सरकार के इरादे की घोषणा की, उसी दिन उनकी सरकार ने राज्यसभा में कुछ चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए, जिनसे भारत में फास्ट–ट्रैक कोर्ट की असलियत सामने आई। अप्रैल 2026 तक, 775 फास्ट–ट्रैक स्पेशल कोर्ट में 2,49,000 से ज्यादा मामले लंबित थेय इनमें 398 कोर्ट ऐसे थे जो विशेष रूप से बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण पास्को अधिनियम के तहत मामलों से निपटने के लिए बनाए गए थे। छात्र–युवा आंदोलन सेंट्रलाइज्ड नीट परीक्षा सिस्टम में बदलाव या उसे पूरी तरह बदलने की मांग कर रहा है। यह सिस्टम राज्यों के उस संघीय अधिकार को कमजोर कर रहा है जिसके तहत वे अपनी भाषाई और शैक्षिक स्थितियों को ध्यान में रखकर परीक्षाएं आयोजित कर सकते थे। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 (एनईपी 2020) के भेदभावपूर्ण और कुछ लोगों को बाहर रखने वाले स्वभाव को लेकर भी नाराजगी बढ़ रही है। इस पॉलिसी को कोविड के समय कृषि कानूनों और लेबर कोड के साथ पास किया गया था। नई पॉलिसी ने कम और मध्यम आय वाले परिवारों के छात्रों के लिए हायर एजुकेशन को बहुत महंगा बना दिया है। साथ ही, चार साल के डिग्री कोर्स के लिए मनमाने नियम छात्रों को डिग्री पूरी करने से पहले ही कॉलेज छोड़ने पर मजबूर कर रहे हैं। असल में, एआईएसए और आरवाईए द्वारा 22 जुलाई को पटना में किए गए विरोध प्रदर्शन और 25 जुलाई के बिहार बंद को जो भारी समर्थन मिला, उसके पीछे नीट पेपर लीक और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ–साथ एनईपी और बिहार की बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ नाराजगी भी एक बड़ी वजह थी। जंतर–मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में नीट यूजी– 2026 पेपर लीक के कारण 21 छात्रों की आत्महत्या का मुद्दा उठाया गया। सरकार अब पीड़ित परिवारों में से हर एक को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गई है। लेकिन कर्ज के बोझ से दबे किसानों की आत्महत्या और महिलाओं द्वारा माइक्रोफाइनेंस से जुड़ी आत्महत्याओं की तरह ही, हाल के वर्षों में छात्रों की आत्महत्या भी एक बहुत चिंताजनक घटना बन गई है। 2021 से 2026 के मध्य तक नीट से जुड़ी कम से कम 93 छात्रों की आत्महत्या की खबरें सामने आई हैं।

युवाओं के सत्याग्रह ने अपने पीछे कुछ सबक छोड़े

राजेश पांडेय

जंतर–मंतर पर एक माह तक चले युवाओं के आंदोलन ने कुछ सबक सिखाए हैं, कुछ मुद्दों पर रोशनी डाली है, कुछ उम्मीदें जगाई हैं और साहस, सत्याग्रह की अहमियत को सामने रखा है। यह आंदोलन कई मायनों में अद्वितीय है। उसने लोकतंत्र, संविधान के बुनियादी सिद्धांतों की अनदेखी और सत्ता का दुरुपयोग करने वाली सरकार को अपने कदम पीछे हटाने के लिए विवश किया है। इससे पहले किसान आंदोलन के कारण सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेना पड़े थे। लेकिन दोनों आंदोलनों में कुछ फर्क है। किसान आंदोलन का प्रभाव पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम उत्तरप्रदेश में अधिक था। वहीं युवाओं की हलचल तेजी से फैल रही थी। उसमें छात्रों के परिजन शामिल हो रहे थे। भाजपा का समर्थन करने वाले मध्यम वर्ग में भी बेचैनी थी। बहुत कम लोगों को शिक्षा मंत्री ध र्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की उम्मीद थी। राजनीतिक पर्यवेक्षक सत्ताधारी दल के एक वरिष्ठ नेता के बयान का जिक्र करते थे कि भाजपा में इस्तीफे नहीं होते हैं। संतोष का विषय है कि युवाओं ने सरकार को जवाबदेही और जिम्मेदारी का अहसास कराया है। उनके आंदोलन के कारण पहली बार शिक्षा राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में आ गई है। छात्रों ने संदेश दिया है कि अब भी अहिंसक और शांतिपूर्ण तरीकों से मनमानी करने वाली सरकार पर अंकुश लगाना संभव है। शासकों के इशारों पर चलने वाली संस्थाओं को सचेत होने का अवसर दिया है। भारत में संवाद, विरोध और अहिंसक तरीके से अपनी अपेक्षाओं को जाहिर करने की परंपरा पुरानी है। इसके सबसे बड़े प्रतीक महात्मा गांधी हैं। उनके सत्याग्रह ने भारत से ब्रिटिश साम्राज्य को उखाड़ने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। आजादी के बाद कई मौकों पर जनमत जगाने वाले आंदोलन हुए हैं। 1970 के दशक में गुजरात से शुरू हुए छात्रों के नवनिर्माण आंदोलन ने जयप्रकाश नारायण के आंदोलन की जमीन तैयार की थी। फिर 2011–12 के अन्ना आंदोलन ने यूपीए सरकार की चुनावी हार का रास्ता बनाया। इन आंदोलनों में गैर–राजनीतिक संगठनों, आम लोगों के अलावा राजनीतिक दलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। छात्रों के मौजूदा आंदोलन के पीछे सुनियोजित रणनीति और कार्यक्रम नहीं था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी अस्तित्व में आई। उसने दिल्ली में धरना शुरू किया और इसकी गूंज पूरे देश तक पहुंच गई। चंद दिनों के भीतर हजारों युवा दिल्ली में जुट गए। सरकार के दमन ने आग में घी डाला। पुलिस ने आंसू गैस, पैलेट गन, लाठीचार्ज के जरिये जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। इंटरनेट बंद करने का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। युवा शक्ति की क्रिएटिविटी से उपजे हास्य, व्यंग्य की पैनी धार के सामने तमाम तरीके बेअसर हो गए। छात्रों के पोस्टर और मीम भारी पड़े। सोशल मीडिया ने आंदोलन की हलचल को हर जगह पहुंचा दिया। सरकार की जी–हुजूरी करने और विपक्षी पार्टियों को हमेशा निशाना बनाने वाले गोदी मीडिया के पैंतरे बेकार गए। आंदोलन का स्वरूप और उसकी रफ्तार सरकार की कल्पना से परे थी। उसने छात्रों से लगातार बातचीत की। लेकिन छात्र अपने रुख पर अडिग रहे। आंदोलन के पीछे पाकिस्तान, चीन का हाथ होने जैसे पुराने नकारात्मक दांव भी काम नहीं आए। विरोध को देशद्रोह और राष्ट्र विरोधी बताने का जाना–पहचाना हथियार भी कुंद साबित हुआ। यहां प्रमुख विपक्षी दलों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने छात्रों का समर्थन करने के साथ थोड़ी दूरी बनाए रखने की सावधानी बरती। इस चतुराई के कारण आंदोलन को पूरी तरह राजनीति से प्रेरित घोषित नहीं किया जा सका है। सोनम वांगचुक के लंबे अनशन ने आंदोलन को नैतिक समर्थन दिया। छात्रों के विरोध ने शिक्षा व्यवस्था की कई मूलभूत समस्याओं, उच्च शिक्षण संस्थाओं की नियुक्तियों में पेशेवर मापदंडों को दरकिनार रखने सहित कई खामियों पर फिर बहस की जरूरत बताई है। पिछले कुछ वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थाओं में अहम पदों पर नियुक्तियों में योग्यता, विद्वता, पेशेवर क्षमता की बजाय विचारधारा को तवज्जो दी गई है। स्कूली पाठ्यक्रम में बदलाव पर भी विचारधारा हावी है। परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर गहराते संकट ने छात्रों को उद्वेलित किया है। साल दर साल तैयारियों के बाद जब पेपर लीक हो जाएं, समय पर रिजल्ट आने का कोई भरोसा न रहे तब असंतोष का विस्फोट होना स्वाभाविक है। सत्याग्रह ने शिक्षा और रोजगार से जुड़े कुछ बिंदुओं को चर्चा के केंद्र में रख दिया है। यहां हम युवाओं के मुद्दों पर गौर करेंगे। युवाओं की हताशा बढ़ती बेरोजगारी से जुड़ी है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकानॉमी के अनुसार– जॉब्स में 15 साल और उससे अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी 2016–17 के 42.7प्रतिशत से घटकर मार्च 2026 में 38.7 प्रतिशत रह गई। इसलिए समस्या के सभी पहलुओं पर गौर करने की जरूरत है। मई में नीट की पहली परीक्षा में बीस लाख से अधिक छात्र बैठे थे। प्रश्नपत्र लीक होने के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। इसके बाद एक दर्जन से अधिक छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें आईं। भारत में दुर्घटनाओं और आत्महत्याओं से मौतों पर नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक 2014 में 8068 छात्रों ने आत्महत्या की थी। यह संख्या 2024 में 14288 रही। अंग्रेजी अखबार हिंदू में प्रकाशित खबर में बताया गया है, संसद में शिक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी कि छात्रों की आत्महत्या के कारणों में अकादमिक तनाव, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक स्वास्थ्य, धन की तंगी और व्यक्तिगत टकराव शामिल हैं। रिपोर्ट में परीक्षा में विफलता को प्रमुख कारण बताया गया है। 2014 से 2024 के बीच छात्रों की आत्महत्याओं के कुल मामलों में 21प्रतिशत छात्रों ने इस कारण जान दे दी। इस अवधि में सिर्फ 2021 को छोड़कर हर साल दो हजार से अधिक छात्रों ने विभिन्न परीक्षाओं में विफलता की वजह से जीवन गंवा दिया। प्रश्नपत्रों के लीक होने से कई तरह का बोझ पड़ता है। छात्रों और उनके परिवार के लिए परीक्षाओं की तैयारी महंगी पड़ती है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र कोचिंग संस्थाओं की शरण में जाते हैं। शिक्षा पर विस्तृत मॉड्यूलर सर्वे 2025 (सीएमएस–ई) के अनुसार हायर सेकंडरी के 37प्रतिशत शहरी और ग्रामीण छात्रों ने प्राइवेट कोचिंग ली है। इस स्तर पर प्रति छात्र कोचिंग का खर्च 6384 रुपए आया है। शिक्षा के संबंध में कुछ आंकड़े चिंताजनक हैं। पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार के शिक्षा बजट में भारी गिरावट आई है। यह यूपीए सरकार के अंतिम वर्ष 2013–14 के 4.6 प्रतिशत से घटकर 2025–26 में 2.5 प्रतिशत पर आ पहुंचा है। शिक्षा पर खर्च के मामले में राज्यों की स्थिति भी अच्छी नहीं है। संविधान की सातवीं अनुसूची में शिक्षा समवर्ती सूची में आती है। इसके तहत केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों और जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया है। 2013–14 में शिक्षा के खर्च में राज्यों का हिस्सा 17प्रतिशत के आसपास था। अब यह करीब 13प्रतिशत है। मतलब शिक्षा पर केंद्र और राज्यों की दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ सरकार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जैसी संस्था बनाकर कई परीक्षाएं कराने का अधिकार अपने हाथ में ले लेती है। दूसरी ओर वह अपनी जिम्मेदारियों में नाकाम साबित होती है। एजेंसी के पास पर्याप्त स्टाफ तक नहीं है। वह तदर्थवाद की चपेट में है। उसके 39 में से 15 पद खाली पड़े हैं। सभी 24 कर्मचारी दूसरे विभागों से डेपुटेशन पर आए हैं। एनटीए डेटा एनालिसिस, कानूनी और अन्य कामों के लिए 124 आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं ले रही है। आंदोलन ने सत्ता में बैठे लोगों को अपनी कार्यशैली में जरूरी बदलाव पर विचार का मौका दिया है। सत्ता के दुरुपयोग, उसके केंद्रीकरण के खिलाफ लोगों के उठ खड़े होने के बारे में चेतावनी दी है। प्रधान के इस्तीफे से निश्चय ही दूसरे मंत्री सतर्क हो जाएंगे। दरअसल, यह सुरक्षा के अघोषित और अदृश्य कवच में दरार आने का संकेत है। भाजपा सरकार में किसी मंत्री का इस्तीफा नहीं होने का मिथक टूट गया है। सत्याग्रह ने सरकारी तंत्र, न्यायपालिका और मीडिया को आजादी से काम करने का रास्ता दिखाया है। उसने सत्ता की सीमाएं याद दिलाई हैं। वह कहता है कि इंसाफ और अधिकारों की लड़ाई संविधान और कानून के दायरे में रहकर लड़ी जा सकती है। एकजुटता, संगठन और शांतिपूर्ण तरीके से आम नागरिक अपनी आवाज असरदार बना सकते हैं। युवाओं ने समूचे राजनीतिक प्रतिष्ठान को मैसेज दिया है ।

चीन के विश्वविद्यालयों के उदय से सीख सकता है भारत

अजीत रानाडे

नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के विरोध प्रदर्शनों के बाद भारत के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे ने शिक्षा सुधार को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बहस छेड़ दी है। हाल ही में एक लेख में लेखिका और पत्रकार पल्लवी अय्यर ने भारत और चीन को 'परीक्षाओं के राष्ट्र' बताया है। बड़े, असमान समाजों में, प्रतियोगी सार्वजनिक परीक्षा बेहतर जीवन का जरिया है। यह एक ऐसा वादा है कि जन्म, ध ान, जाति, क्षेत्र और संबंध जैसी चीजों को मेहनत से कुछ हद तक बेअसर किया जा सकता है। इसीलिए किसी भी तरह की जानकारी लीक होना भरोसे का एक विनाशकारी उल्लंघन है। चीन की गाओकाओ परीक्षा, जिसमें इस वर्ष 133.5 करोड़ छात्रों ने भाग लिया, केंद्रीय रूप से तैयार और प्रांतों द्वारा प्रशासित की जाती है। परीक्षा के प्रश्नपत्र जी.पी.एस. ट्रैकिंग और पुलिस सुरक्षा के तहत भेजे जाते हैं, प्रश्न तैयार करने वालों को सुरक्षित स्थानों पर अलग रखा जाता है, परीक्षा हॉल में चेहरे की पहचान और सिग्नल जैमर का उपयोग किया जाता है और यहां तक कि ए. आई. कंपनियां परीक्षा अवधि के दौरान कुछ उपकरणों को सीमित कर देती हैं। यह तंत्र इस आम धारणा को और मजबूत करता है कि प्रगति प्रभाव की बजाय नियमों द्वारा नियंत्रित होती है। चीनी उच्च शिक्षा के परिवर्तनकारी अनुभव से कई सबक मिलते हैं। चीन में विश्वविद्यालयों का उदय 3 दशकों से चली आ रही राज्य नीति का परिणाम था। 2004 में, वैश्विक विश्वविद्यालयों की अकादमिक रैंकिंग के शीर्ष 100 में चीन का कोई भी विश्वविद्यालय शामिल नहीं था। 2025 तक, सिंघुआ और पीकिंग विश्वविद्यालय वैश्विक शीर्ष श्रेणी में प्रवेश कर चुके थे और कम से कम 6 चीनी विश्वविद्यालय शीर्ष 100 में शामिल थे। भारत के लिए पहला सबक है क्रमबद्धता। हमारी उच्च शिक्षा को विद्यालय स्तर पर साक्षरता, अंक ज्ञान और शिक्षकों की गुणवत्ता की मजबूत नींव की आवश्यकता है।

चीन में, 2010 तक 9 वर्षीय अनिवार्य शिक्षा सार्वभौमिक हो गई, जिससे उच्च शिक्षा के लिए योग्य छात्रों का एक बड़ा समूह तैयार हुआ। दूसरा सबक है एकाग्रता। चीन ने प्रोजैक्ट 211, प्रोजैक्ट 985 और बाद में अपने डबल फर्स्ट–क्लास कार्यक्रम के माध्यम से चुड्क्षनदा विश्वविद्यालयों और विषयों पर अपने संसाधनों को केंद्रित किया। प्रोजेक्ट 985 की शुरुआत केवल 9 विश्वविद्यालयों से हुई और बाद में इसका विस्तार 39 विश्वविद्यालयों तक हुआ, जिसका स्पष्ट उद्देश्य हार्वर्ड, एम.आई.टी., ऑक्सफोर्ड और टोक्यो के साथ प्रतिस्पर्धा करना था। 2009 और 2013 के बीच, प्रोजैक्ट 985 के विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय अनुसंधान निधि का लगभग 70 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जबकि उनमें चीनी विश्वविद्यालय के छात्रों के 5 प्रतिशत से भी कम छात्र नामांकित थे। यह रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत की समस्या अपर्याप्त वित्त पोषण है, जो कि असमान रूप से वितरित है। इसमें 'व्यापकता तो है लेकिन गहराई नहीं'। ए.एस.पी.आई. द्वारा निगरानी की जाने वाली 74 महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में से लगभग 50 में भारत वैश्विक शीर्ष 5 में शामिल है लेकिन किसी में भी अग्रणी नहीं है। हमें एक व्यापक शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है, साथ ही ए.आई., सैमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, सामग्री विज्ञान, ऊर्जा भंडारण, कृषि और जलवायु प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुछ विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी संस्थानों की भी आवश्यकता है।

तीसरा सबक प्रदर्शन–आधारित स्वायत्तता है। वित्तपोषण परिणामों, आवधिक समीक्षा और पदावनति की संभावना से जुड़ा हुआ है। डबल फर्स्ट क्लास कार्यक्रम ने एक ऐसी प्रणाली में प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया, जहां विशिष्ट दर्जा एक स्थायी अधिकार बन गया था। भारतीय विश्वविद्यालयों को नियमित नौकरशाही नियंत्रण से स्वायत्तता की भी आवश्यकता है लेकिन साथ–साथ शिक्षण परिणामों, अनुसंधान की गुणवत्ता, शासन और रोजगार क्षमता के लिए जवाबदेही भी होनी चाहिए। चौथा सबक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ तालमेल बिठाना है। चीन के विशिष्ट विश्वविद्यालय औद्योगिक समूहों और प्रौद्योगिकी मिशनों से जुड़े हुए थे। इससे महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में इसकी मजबूती को बल मिला। पांचवां सबक है पाठ्यक्रम में लचीलापन। 2025 में, चीन के शिक्षा मंत्रालय ने 2025–27 के दौरान शैक्षणिक विषयों और पाठ्यक्रमों को समायोजित करने के लिए एक कार्य योजना शुरू की। इसमें अत्याधुनिक तकनीकों में नए विषयों की स्थापना, कम मांग या घटती गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों में सुधार, मजबूत अंतध्वषयक एकीकरण, शैक्षिक सामग्री में ए.आई. उपकरणों का समावेश, शिक्षकों की क्षमता निर्माण और उद्योग–विश्वविद्यालय के बीच घनिष्ठ सहयोग का आह्वान किया गया है। भारतीय विश्वविद्यालय समितियों, स्वीकृतियों और पुराने पाठ्यक्रम के अनुसार चल रहे हैं। ए.आई., जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, जलवायु जोखिम और भू–राजनीतिक आपूर्ति शृंखला में बदलाव के इस युग में, पाठ्यक्रमों में निरंतर परिवर्तन आवश्यक है। हमें भारत में क्या करना चाहिए? पहला, परीक्षा की सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करें, विश्वास के बिना, पिरामिड संरचना ध्वस्त हो जाती है। दूसरा, परीक्षा सुधार को तत्काल लागू करें। तीसरा, 50–100 विश्वविद्यालयों और विषयों की पहचान करें, जिनमें गहन और दीर्घकालिक निवेश किया जा सके। चौथा, उन्हें भर्ती, पाठ्यक्रम, सहयोग और अनुसंधान सांझेदारी में स्वायत्तता दें। पांचवां, विश्वविद्यालयों को स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं से जोड़ें और विकेंद्रीकरण को मजबूत करें। छठा, कृत्रिम बुद्धिमता, डाटा और अंतरूविषयक समस्या–समाधान को प्रत्येक गंभीर डिग्री का अभिन्न अंग बनाएं। चीन का उदाहरण दर्शाता है कि जब नीति रणनीतिक, धैर्यपूर्ण और गंभीर हो तो परिवर्तन संभव है।

जेलर 2 एक्ट्रेस को कौन करना चाहता है बदनाम?

श्जेलर 2श में रजनीकांत संग नजर आने वालीं एक्ट्रेस अन्ना राजन की हाल ही एक मॉर्फ्ड और आपत्तिजनक तस्वीर वायरल हो गई, जिसे देख वह भड़क गईं। अन्ना ने उसे निजता का उल्लंघन और शर्मनाक हरकत बताया। साथ ही पुलिस में शिकायत की बात कही है। हाल ही श्जेलर 2श एक्ट्रेस अन्ना हजारे की आपत्तिजन तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसके कारण वह भड़की हुई हैं। इस मामले में उन्होंने पुलिस में शिकायत भी दर्ज करवाने का फैसला किया है। अन्ना राजन ने अपनी ऐसी ही एक ।P से बनाई तस्वीर का स्क्रीनशॉट इंस्टाग्राम पर शेयर किया और उन लोगों को लीगल एक्शन की धमकी दी थी, जिन्होंने उनकी फेक तस्वीरवायरल की। इस मामले में अन्ना राजन ने केरल पुलिस की मदद भी मांगी। अन्ना राजन ने अपनी फेक तस्वीर का स्क्रीनशॉट अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। साथ ही उस अकाउंट का भी लिंक शेयर किया, जिसने उनकी फर्जी तस्वीर पोस्ट की है। साथ में अन्ना राजन ने लिखा, श्इस तस्वीर के साथ छेड़छाड़ करके गलत तरीके से पेश किया गया है। इस तस्वीर को आपत्तिजनक और बदनाम करने के तरीके से एडिट किया गया है, ताकि मेरी छवि को खराब किया जा सके।श अन्ना राजन का अपनी फेक तस्वीर देख फूटा गुस्सा अन्ना राजन ने आगे लिखा है, श्यह बहुत ही शर्मनाक है, बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यह मेरी प्राइवेसी और मर्यादा का उल्लंघन है। मैं इस अकाउंट को इंस्टाग्राम पर ऑफिशियली रिपोर्ट कर रही हूं। साथ ही पुलिस में भी शिकायत दर्ज करवाऊंगी। जो भी इस तरह का आपत्तिजनक कंटेंट शेयर कर रहा है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगा। लीगल एक्शन लिया जाएगा और मैं खुद ये मामला आखिर तक लेकर जाऊंगी, ताकि न्याय मिले।श श्रामायणश स्टार एक्टर रणबीर कपूर बांद्रा में नजर आए ,शॉट्स टीशर्ट में लगे कूल डूड यह बहुत ही शर्मनाक है, बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यह मेरी प्राइवेसी और मर्यादा का उल्लंघन है। मैं इस अकाउंट को इंस्टाग्राम पर ऑफिशियली रिपोर्ट कर रही हूं। साथ ही पुलिस में भी शिकायत दर्ज करवाऊंगी। लीगल एक्शन लिया जाएगा और मैं खुद ये मामला आखिर तक लेकर जाऊंगी, ताकि न्याय मिले। फैंस से अपील– मॉर्फ्ड कंटेंट को शेयर या प्रमोट न करें अन्ना राजन ने केरल पुलिस और साइबर क्राइम अधिकारियों से तुरंत कार्रवाई करने की अपील की। साथ ही यूजर्स से भी कहा कि वो मॉर्फ किए गए कंटेंट को शेयर या प्रमोट न करें। अन्ना राजन के साथ हुई इस घटना ने फिल्म इंडस्ट्री में चिंता बढ़ा दी है। फैंस ने भी एक्ट्रेस का सपोर्ट किया है और उनकी हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं। कौन हैं अन्ना राजन? अन्ना राजन एक मलयालम एक्ट्रेस हैं। उन्होंने साल 2017 में मलयालम फिल्म श्अंगमाली डायरीजश से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। तब से वह श्अय्यप्पनम कोशियुमश, श्लोनाप्पन्ते मामोदीसाश और श्डेविडश जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अब वह रजनीकांत की फिल्म श्जेलर 2श में नजर आएंगी। इस फिल्म से वह तमिल सिनेमा में एक्टिंग डेब्यू कर रही हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले अस्पताल में नर्स थीं अन्ना राजन अन्ना राजन ने एर्नाकुलम के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग का कोर्स भी किया है। फिल्मों में आने से पहले वह एक अस्पताल में बतौर नर्स भी नौकरी करती थीं। केरल में एक होर्डिंग पर अन्ना राजन की तस्वीर पर जब प्रोड्यूसर विजय बाबू और डायरेक्टर लिजो जोस की नजर पड़ी, तो अन्ना राजन को श्अंगमाली डायरीजश में मौका दिया। अन्ना राजन जब कॉलेज में थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद परिवार पर बड़ा आर्थिक दबाव आ गया। इस वजह से अन्ना राजन को पढ़ाई के दौरान नौकरी करनी पड़ी। मलयालम एक्ट्रेस अन्ना राजन ने सोशल मीडिया पर अपनी मॉर्फ्ड (बदली हुई) तस्वीरों के शेयर किए जाने पर चिंता जताई है। श्जेलर 2श की एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसे ही एडिट किए गए फोटो का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसे किसी और हैंडल से पोस्ट किया गया था। उन्होंने अपनी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल की निंदा की। नाराज हुईं अन्ना राजन अन्ना ने इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की और बताया कि उनकी एक तस्वीर को एडिट करके उसे बदनाम करने के मकसद से इस्तेमाल किया गया। उन्होंने लिखा श्इस तस्वीर को बुरी नीयत से एडिट किया गया है और मेरी बेइज्जती करने के लिए अश्लील और अपमानजनक तरीके से पोस्ट किया गया है। यह शर्मनाक, अस्वीकार्य और मेरी प्राइवेसी और सम्मान का उल्लंघन है।श कानूनी कार्रवाई की जाएगी उन्होंने लिखा श्मैं आधिकारिक तौर पर इंस्टाग्राम पर इस अकाउंट की रिपोर्ट कर रही हूं और कानून के तहत पुलिस में शिकायत दर्ज कराऊंगी। जो कोई भी इस एडिट किए गए कंटेंट को बनाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार है, उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मैं तब तक इस मामले को आगे बढ़ाएंगे जब तक न्याय नहीं मिल जाता।श पुलिस से की कार्रवाई करने की गुजारिश उन्होंने आगे लिखा श्कृपया ऐसे अपमानजनक कंटेंट का समर्थन या उसे शेयर न करें। इस अकाउंट ने मेरी एक बुरी तरह से एडिट की गई और बदनामी करने वाली तस्वीर पोस्ट की है। मैं केरल पुलिस और साइबर क्राइम से तुरंत कार्रवाई करने का अनुरोध करती हूं। मैंने सबूत सुरक्षित रख लिए हैं और मैं पुलिस में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराऊंगी।श अन्ना राजन का वर्कफ्रंट अन्ना राजन मलयालम फिल्म श्अंगमाली डायरीजश से एक्टिंग की शुरुआत की थी।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग मैच देखने पहुंचीं कृति

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन मंगलवार को इंग्लैंड के बर्मिंघम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मैच देखने पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन कबीर बहिया भी मौजूद थे। दोनों को स्टेडियम के स्टैंड्स में एक साथ मैच इंजॉय करते देखा गया। कृति और कबीर बहिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टेडियम की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दोनों एक दोस्त के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे दोनों के रिलेशनशिप की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। कबीर बहिया ने शेयर की स्टेडियम की तस्वीरें कबीर बहिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के जरिए फैंस को इस आउटिंग की झलक दिखाई। उन्होंने स्टेडियम से कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें कृति सेनन, कबीर और उनका एक दोस्त एक साथ नजर आ रहे हैं। कबीर के फोटो शेयर करने के कुछ ही समय बाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी एजबेस्टन स्टेडियम के स्टैंड्स से कृति की कई तस्वीरें सामने आईं। मैच के दौरान कृति सेनन काफी खुश नजर आ रही थीं और वे टीम इंडिया को चीयर कर रही थीं। पिछले कुछ महीनों से है डेटिंग की चर्चा कृति सेनन और कबीर बहिया के रिलेशनशिप की खबरें कुछ महीने पहले तब शुरू हुई थीं, जब एक्ट्रेस ने अपना 34वां जन्मदिन मनाया था।

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमो जल्द ही अपने पहले बच्चे का वेलकम करने वाले हैं. कपल ने जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी. अब हाल ही में एक इंटरव्यू में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर खुलकर बात की और कहा कि वो लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रही थीं. मैं हमेशा से मां बनना चाहती थीश पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी जिंदगी के इस नए दौर को बेहद खास और रोमांचक बताया. उन्होंने कहा, ष्ये मेरे लिए बिल्कुल नया और एक्साइटिंग एक्सपीरियंस है. मैं लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रही थी. मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, इसलिए मैं इस जर्नी को अपना पूरा टाइम और प्यार देना चाहती हूं. सामंथा ने आगे कहा, मैं जर्नी को लेकर काफी एक्साइटेड हूं. हर दिन कुछ नया सीख रही हूं, खुद को आने वाले समय के लिए तैयार कर रही हूं और इस खूबसूरत एहसास के लिए भगवान की शुक्रगुजार हूं. मैं हमेशा से मां बनना चाहती थीश, प्रेग्नेंट सामंथा रुथ प्रभु ने बयां की दिल की बात काम से लिया ब्रेक फिल्म मां इंटी बंगारम की सक्सेस के जश्न के दौरान बेबी बंप के साथ नजर आने के बाद सामंथा रुथ प्रभु ने मीडिया के सामने अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि की. उन्होंने बताया कि फिल्म के बाद वो कुछ समय के लिए काम से ब्रेक लेंगी. बता दें, सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2025 में फिल्ममेकर राज निदिमो संग शादी की थी. मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, प्रेग्नेंट सामंथा रुथ प्रभु ने बयां की दिल की बात सामंथा रुथ प्रभु की पहले शादी नागा चैतन्य से हुई थी. दोनों ने कई सालों तक एक–दूसरे को डेट करने के बाद साल 2017 में गोवा में शादी की थी।

लॉकअप 2 में तीसरा राज खुलने से घबराई आकांक्षा चमोला, बोलीं....

मेरे पति का बड़ा नाम है, बाहर निकलते ही लोग मुझे नहीं छोड़ेंगे

नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो लॉकअप 2 आए दिन नया मोड़ ले रहा है। इस शो में हर दिन कुछ ऐसा हो रहा है जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर इस शो को काफी प्यार दिया जा रहा है। हाल ही में हुए टास्क के दौरान धरीज और सूफी मोतीवाला को बाहर निकाल दिया गया लेकिन हर्षद और योगेश की वापसी के बाद शो में नया ट्विस्ट देखने को मिला। जैसे ही दोनों वापिस आए तब से ही कंटेस्टेंट्स के निजी राज बाहर आने लगे हैं। अब तक राम कपूर, शिल्पा और श्रेया ने अपने जीवन से बहुत बड़े राज सबके सामने शेयर किये हैं। इसी बीच इस टास्क को लेकर गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा काफी घरबाई हुई हैं। उन्होंने कहा कि यदि ये राज सामने आता है तो बाहर बैठे लोग मुझे नहीं छोड़ेगे और मुझे काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर आकांक्षा की वीडियो काफी वायरल हो रही हैं, जिसमें वो कहती नजर आ रही हैं की मेरा तीसरा राज बाहर नहीं आना चाहिए। इस राज की सबसे खास बात यह है कि यह सीक्रेट आकांक्षा चमोला से जुड़ा है। यदि ये बाहर आया तो मेरे पति के फैंस मुझे कभी माफ नहीं करेंगे और बहुत ट्रोलिंग का सामना करना पड़ेगा।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आकांक्षा श्रेया को बोल रही हैं कि इस सीक्रेट को मैं बाहर नहीं लाना चाहती हूं। इस वजह से मैं चाहती हूं कि तुम मेरा राज सबके सामने मत लेकर आना और मेरा भरोसा मत तोड़ना। इसी बीच श्रेया ने उनसे कहा कि यदि तुम खुद यह राज नहीं बताओगी तो मैं सबको बता दूंगी। ऐसा इस वजह से श्रेया चाहती है कि आकांक्षा गेम के आखिर तक जाएं, यदि राज बाहर नहीं आया तो आकांक्षा को गेम से बाहर होना पड़ेगा। श्रेया ने कहा कि वो आकांक्षा को अपना दोस्त नहीं मानती हैं, इस वजह से वो उनका सीक्रेट नहीं छुपाएंगी। आकांक्षा ने कहा कि यदि ऐसा कुछ हुआ तो यह राज सिर्फ शो में अंदर ही नहीं बाहर मेरी जिंदगी को भी खराब कर सकता है। ऐसा इस वजह से क्योंकि उनका पति एक जानी–मानी पर्सनालिटी हैं और यह सीक्रेट उनकी इमेज को खराब कर सकता है। पामेला से बातचीत के दौरान आकांक्षा ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि असल मुश्किल उन्हें झेलनी पड़ेगी, क्योंकि श्रेया इस बात की गंभीरता को नहीं समझ रही हैं। उनके मुताबिक, अगर उनका सीक्रेट सामने आया तो लोगों का गुस्सा सिर्फ उन पर ही नहीं, बल्कि उनके पति पर भी निकल सकता है।

बच्चे ने बिस्तर पर कर दी सुसु? गद्दे से दाग और बदबू हटाने के लिए अपनाएं ये 3 आसान तरीके

○ छोटे बच्चे अक्सर सोते समय बिस्तर पर सुसु कर देते हैं, जो काफी आम बात है। लेकिन पेरेंट्स के लिए गद्दे से सुसु की गंदी महक और दाग हटाना मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी परेशान हो जाते हैं, तो कुछ टिप्स आप जान लीजिए।

बच्चों का बिस्तर पर सुसु कर देना एक आम बात है, खासकर छोटे बच्चों के साथ यह समस्या अक्सर देखने को मिलती है। इससे माता–पिता की सबसे बड़ी चिंता गद्दे पर पड़ने वाले जिद्दी दाग और लंबे समय तक रहने वाली बदबू होती है। अगर पेशाब को समय रहते साफ न किया जाए, तो यह गद्दे के अंदर तक समा जाती है, जिससे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं और कमरे में भी तेज गंध फैल सकती है। ऐसे में सिर्फ ऊपर से कपड़े से पोंछ देना या पानी डालकर साफ करना काफी नहीं होता। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू तरीकों की मदद से गद्दे से सुसु के दाग और बदबू दोनों को हटाया जा सकता है। इसके लिए आपको महंगे क्लीनिंग प्रोडक्ट्स खरीदने की भी जरूरत नहीं पड़ती। तो चलिए आपको 3 आसान तरीके बताते हैं।

गंध और दाग साफ करने के 3 आसान तरीके–

1. बेकिंग सोडा से हट जाएगी बदबू

बेकिंग सोडा से हट जाएगी बदबू

बेकिंग सोडा बाजार से आपको आसानी से मिल जाएगा। आपको बेकिंग पाउडर नहीं बल्कि सोडा ही लेना है और उसमें डिशवॉश लिक्विड और पानी मिलाकर स्प्रे तैयार करना है।

कैसे करें इस्तेमाल

इस स्प्रे को आप दाग वाली जगह पर छिड़ककर करीब 1–2 घंटे के लिए छोड़ दें। फिर किसी साफ कपड़े को पानी में भिगोकर उस जगह को पोछ दें। इसके बाद हेयर ड्रायर की मदद से गद्दे को सुखा लें।

सफेद सिरका वाला घोल

सफेद सिरका एंटी–बैक्टीरियल एजेंट वाला होता है, जिसमें क्लीनिंग प्रॉपर्टीज भी होती हैं। आप सफेद सिरके की मदद से भी गद्दे की बदबू और दाग को हटा सकते हैं।

स्प्रे कैसे बनाएं

सफेद सिरका और पानी को मिलाकर घोल तैयार करें। इसे स्प्रे बोतल में भर लीजिए। अब आपको स्प्रे करते हुए दाग वाली जगह पर छिड़कना है। फिर इसे सूखने के लिए छोड़ दीजिए। इसके बाद कुछ नहीं करना है, जब गद्दा सूख जाए तब आप कोई खुशबू वाला पाउडर छिड़क दें या फिर परफ्यूम। सिरके की महक नहीं आएगी और ना ही सुसु की।

3. डिटर्जेंट या डिशवॉश लिक्विड वाला तरीका

आपको एक डिब्बे में डिशवॉश लिक्विड या फिर सर्फ पाउडर लेना है। सर्फ से आपको पूरा गद्दा नहीं धोना लेकिन दाग वाली जगह पर लगाना है। इससे बदबू भी दूर होगी और दाग भी।

डिशवॉश या सर्फ को आप पानी के साथ घोल लीजिए और इसमें नींबू का रस मिलाकर गद्दे पर स्प्रे करें। करीब 2 घंटे बाद कपड़े में पानी लगाकर पोछ दें और फिर हेयर ड्रायर या पंखे की हवा से सुखा लें।

साधारण तरीका भी है असरदार

अगर आप घरेलू नुस्खे नहीं अपनाना चाहते हैं, तो एक सिंपल तरीका है। इसके लिए आपको गद्दे को धूप में फैलाना होगा और 4–5 घंटे के लिए वही छोड़ना पड़ेगा। धूप की गर्मी से गद्दा सूख जाएगा, बदबू नहीं आएगी और दाग भी हल्का हो जाएगा। इससे बैक्टीरिया नहीं पनपते हैं। बच्चा अगर छोटा है, तो चादर के नीचे वॉटरप्रूफ मैट बिछा सकते हैं, इससे गद्दे पर निशान या गीलापन नहीं होगा।

सॉफ्ट-गुलाबी पैर चाहिए? पानी में ये 3 चीजें मिलाकर भिगो लें, टैनिंग भी होगी दूर!

○ ज्यादातर लोग पैरों का ध्यान नहीं रखते हैं इसलिए उनकी स्किन रूखी–सूखी और बेजान नजर आती है। ऐसे में आप ये फुट सोक ट्राई कर सकती हैं। पैर सॉफ्ट भी होंगे, साथ ही उनकी रंगत भी गुलाबी निखर वाली आएगी।

हम अपने चेहरे की देखभाल तो खूब करते हैं, लेकिन पैरों को अक्सर नजरंदाज कर देते हैं। जबकि हमारे पैर रोजमर्रा में इतनी धूल–मिट्टी, धूप, पसीना और लगातार जूते–चप्पल के कॉन्टैक्ट में आते हैं, जिस वजह से उन पर डेड स्किन जमने लगती है। अक्सर पैरों पर टैनिंग हो जाती है, दाग–धब्बे और कालापन बढ़ जाता है, साथ ही स्किन रूखी–सूखी और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में जरूरी नहीं है कि आप पार्लर जा कर महंगी पेडिक्योर कराएं। घर पर एक छोटे से नुस्खे से भी आपके पैर मुलायम, ब्राइट और सुंदर हो सकते हैं। इस हैक से पैरों पर एक हल्की गुलाबी चमक भी आती है, जिसे देखकर लगता है मानों आपने पैर जमीन पर कभी रखे ही नहीं हैं। तो चलिए जानते हैं ब्यूटीफुल पैरों से जुड़ा ये घरेलू नुस्खा।

खूबसूरत पैरों के लिए आजमाएं ये नुस्खा

अक्सर पैरों पर धूल–मिट्टी, पसीने और धूप की वजह से डेड स्किन और कालापन जम जाता है, जिस वजह से स्किन भी काफी रूखी–सूखी और बेजान नजर आती है। ऐसे में आप ये ब्यूटी हैक ट्राई कर सकती हैं, पैर बिल्कुल साफ, चमकदार और मुलायम नजर आएंगे। इसके लिए आपको दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर (सेब का सिरका), 1 चम्मच एप्सम सॉल्ट और एक नींबू लेना है। ये तीनों चीजें आपके पैरों को डीप क्लीन करने में मदद करेंगी।

पेडिक्योर की जगह ट्राई करें ये हैक

खूबसूरत गुलाबी रंगत वाले पैरों के लिए आपको सबसे पहले एक टब में गुनगुना पानी ले लेना है। बहुत ज्यादा गर्म पानी ना लें, इससे पैरों की स्किन और ज्यादा ड्राई हो सकती हैं। अब इस पानी में दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर, 1 चम्मच एप्सम सॉल्ट और एक नींबू निचोड़ दें। सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें, फिर अपने पैरों को सोक कर के बैठ जाएं। आपको लगभग 20 मिनट के लिए इस पानी में अपने पैरों को भिगोकर रखना है।

अगर आपकी एड़ियों पर काफी ज्यादा डेड स्किन जमा हो गई है, तो आप फुट स्क्रबर या प्यूमिक स्टोन की मदद से हल्का सा इन्हें रब भी कर सकती हैं। लास्ट में पैरों को अच्छे से धो कर किसी साफ तौलिया से पोंछ लें। इसके बाद कोई भी लोशन या ऑयल से पैरों को मॉइश्चराइज करना ना भूलें। कुछ लोग इस स्टेप के बाद सॉक्स भी पहन लेते हैं, इससे मॉइश्चर लॉक होने में मदद मिलती है और रिजल्ट बेहतर आता है।

क्या–क्या होंगे इस फुट सोक के फायदे?

अगर आपके पैरों को रंगत डल पड़ गई है या वो काफी रूखे–सूखे और बेजान दिखने लगे हैं, तो इस फुट सोक से आपको काफी अच्छे रिजल्ट मिल सकते हैं। इससे पैरों की टैनिंग भी कम होती है और वो ज्यादा सॉफ्ट और मुलायम लगते हैं। अगर आप हल्के गुलाबी रंगत वाले पैर चाहिए तो भी ये नुस्खा आपको हफ्ते में दो से तीन बार जरूर ट्राई करना चाहिए।

सावन में हर–हर महादेव के जयकारों से गूंजते हैं यूपी के 5 शिव मंदिर, क्या आपने किए हैं यहां के दर्शन?

○ सावन का महीना भोलेनाथ के नाम होता है और इस महीने में भक्त अलग–अलग शिव मंदिरों के दर्शन के लिए जाते हैं। ऐसे में यहां हम यूपी के 5 शिव मंदिरों के बारे में बता रहे हैं। जहां आप दर्शन के लिए जा सकते हैं।

उत्तरप्रदेश को धर्म नगरी के नाम से जाना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस राज्य में कई चमत्कारिक और पौराणिक कथाओं से जुड़े मंदिर स्थित हैं। इन मंदिरों को अपना एक खास इतिहास और मान्यता है। सावन का महीना आने वाला है और इस महीने में लोग भगवान भोलेनाथ के अलग–अलग मंदिरों के बारे में जानना पसंद करते हैं। कुछ लोग तो इन मंदिरों में दर्शन के लिए भी जाते हैं। अगर आप सावन के पवित्र महीने में भोलेनाथ के उन मंदिरों के बारे में जानना चाहते हैं जो उत्तर प्रदेश में फेमस हैं तो यहां से जानिए–

1) काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ मंदिर भारत के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक है। गंगा किनारे बसा ये मंदिर शिव भक्तों के लिए काफी खास है। सावन और महाशिवरात्रि के समय पर ये मंदिर भक्तों से भरा होता है। माना जाता है कि यहां पर दर्शन करने और गंगा नहाने से मोक्ष की प्राप्ती होती है।

2) मनकामेश्वर मंदिर

यमुना नदी के पास बना मनकामेश्वर मंदिक एक प्राचीन शिव मंदिर है। भक्तों का मानना छ्है कि यहां की मांगी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मनकामेश्वर मंदिर आगरा, लखनऊ और प्रयागराज में है। तीनों की अपनी मान्यताएं हैं। लखनऊ में गोमती नदी के किनारे बसे मंदिर की मान्यता है कि भगवान राम के भाई लक्ष्मण ने यहां प्राचीन काल में शिव जी की आराधना की थी। वहीं प्रयागराज में यमुना नदी के किनार पर स्थित स्वयंभू शिवलिंग की मान्यता है कि माता सीता ने यहां पूजा की थी।

3) लोधेश्वर महादेव मंदिर, बाराबंकी

लोधेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव को समर्पित एक प्राचीन हिंदू मंदिर है, जो उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में है। यह पांडवों से जुड़ी कथाओं वाला एक फेमस तीर्थ स्थल है। महाशिवरात्रि और सावन के दौरान यहां हजारों श्रद्धालु आते हैं।

4) बटेश्वर मंदिर परिसर, बटेश्वर

उत्तर प्रदेश में यमुना नदी के किनारे बसे बटेश्वर गांव में स्थित हिंदू मंदिरों का एक ऐतिहासिक समूह है। जहां 100 से ज्यादा मंदिर हैं और इनमें से कई भगवान शिव को समर्पित हैं। इस जगह को शिव मंदिरों की लंबी कतार और पवित्र घाटों के लिए जाना जाता है।

5) तिलभंडेश्वर महादेव मंदिर, वाराणसी

तिलभंडेश्वर महादेव मंदिर वाराणसी के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित शिव मंदिरों में से एक है। यह मंदिर खास तौर पर अपने स्वयंभू शिव लिंग के लिए मशहूर है। मंदिर की पुरानी मान्यता है कि यह लिंग हर साल तिल के दाने के बराबर बढ़ता है।

मेहमानों को फर्क ही नहीं पड़ता आपने ये 6 चीजें की या नहीं, केवल बढ़ाती हैं शादी का खर्च

○ शादी में इन दिनों खर्चे करने का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है। लोग सजावट और फोटोग्राफ जैसी चीजों पर अंधाधुंध पैसे खर्च करते हैं और ये वेडिंग बजट को भी बढ़ा देते हैं। जबकि गेस्ट इन चीजों को नोटिस तक नहीं करते।

शादी में शानो–शौकत, दिखावा का चलन दिन पर दिन और भी ज्यादा होता जा रहा है। कपड़े, गहने और जेवर से अलग अब सजावट, रिटर्न गिफ्ट, डेस्टिनेशन वेडिंग, खाने–पीने की चीजों पर लोग अंधाधुंध पैसा बहाते हैं। जबकि कोई भी मेहमान शादी खत्म होने के बाद इन चीजों को पूछता तक नहीं है। यहां तक कि शादी में आए गेस्ट कई बार इन चीजों को नोटिस तक नहीं करते। लेकिन लोग केवल दिखावे के लिए इन पर खर्च करते हैं। शादी के बजट को इन चीजों पर खर्च करना एक तरह से फिजूलखर्ची है। अगर इन चीजों पर पैसे नहीं वेस्ट किए तो भी वेडिंग फंक्शन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

शादी का कार्ड, इनविटेशन बॉक्स

आजकल शादी का इनविटेशन भी काफी रॉयल होता है। लोग अपने बेटा–बेटी की शादी का न्योता किसी महंगे इनवाइट बॉक्स में भिजवाते हैं, जो काफी आर्टिस्टिक होता है। लेकिन सच्चाई ये हैं कि शादी का कार्ड आप महंगे, प्रीमियम कागज पर छपवाते हैं या फिर सिंपल से कागज पर, नई डिजाइन ट्राई करते हैं या फिर पुराने सैंपल पर ही बनवा लेते हैं। लोग शादी की डेट और वेन्यू देखने के बाद इसे फेंक ही देते हैं। तो अपने बजट के हिसाब से इस पर पैसे खर्च करना ही समझदारी है।

वेलकम गिफ्ट

शादी से लौटने वाले मेहमानों को गिफ्ट देना पुराना रिवाज है। लेकिन अब इस रिवाज को और भी ज्यादा ड्रामेटिक और फैशनेबल बना दिया गया है। किसी भी फैंसी, यूजलेस चीज के पीछे पैसे खर्च करने की बजाय सोच–समझकर ही गिफ्ट खरीदें। नहीं तो ये खर्च केवल शादी के बजट को बढ़ाएगा।

शादी में खाने के कई सारे काउंटर्स और स्टॉल होते हैं। लेकिन गेस्ट को दिक्कत ना हो इसलिए काफी लोग तीन से चार काउंटर एक ही फूड के रख देते हैं।

ना मावा, ना घंटों पकाना! सिर्फ 1 कप दही-चीनी से बनाएं मुंह में घुलने वाली बर्फी, रेसिपी

○ मीठा खाने का दिल करे तो फटाफट एक कप दही से आप ये टेस्टी, मुंह में घुलने वाली वाली बर्फी बनाकर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए मावा, कंडेस्ड मिल्क, मलाई या घंटों की मेहनत नहीं लगती। ऐसी मिठाई बनती है कि खा कर मजा आ जाता है।

मीठा खाने की क्रेविंग अक्सर होती है। खासकर घर में बच्चे हों, तो उन्हें कुछ मीठे में चाहिए ही रहता है। ऐसे में ये दही चीनी की बर्फी आपको एक बार जरूर ट्राई करनी चाहिए। आमतौर पर आपने दही का रायता या कढ़ी जैसी डिशेज के बारे में सुना होगा, लेकिन इसकी बर्फी भी बहुत ज्यादा टेस्टी बनती है। बिना मावा के ये मुंह में डालते ही घुल जाती है। सबसे अच्छी बात है कि ये मीठा तैयार करने में बहुत ज्यादा टाइम भी नहीं लगता है। थोड़ी सी दही, चीनी और घर में रखी चीजों से बिल्कुल हलवाई जैसी बर्फी बनकर तैयार होती है, जिसे देखकर कोई नहीं कहने वाला कि इसे आपने घर पर बनाया है और वो भी दही से। तो बस जब भी मीठा खाने का दिल करे या घर पर मेहमान आए हों, एक कप दही से ये टेस्टी, मुंह में घुलने वाली बर्फी बनाकर तैयार कर लें।

दही से बर्फी बनाने के लिए चाहिए होगी ये सामग्री

दही–चीनी वाली टेस्टी बर्फी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– बिना पानी वाली गाढ़ी दही (1 कप), चीनी (1 कप), पीसी हुई चीनी (1 चम्मच), इलायची पाउडर (आधा चम्मच), कुछ केसर के धागे (ऑप्शनल), देसी घी (1 चम्मच), गार्निशिंग के लिए बादाम और पिस्ता।

दही–चीनी से इस तरह बनाएं मुंह में घुलने वाली बर्फी

दही की बर्फी बनाने के लिए हंग कर्ड यानी गाढ़ी दही चाहिए होती है। इसके लिए नॉर्मल दही को किसी सूती कपड़े में बांधकर 3–4 घंटे के लिए लटकाकर रख दें, उसका सारा पानी निकल जाएगा। ऊपर से कोई वजनदार चीज भी रख दें, इससे दही बेहतर सेट होती है। इसके बाद एक छलनी लें और उसमें गाढ़ी दही को चम्मच से लगातार फेंटते हुए एक कटोरी में छान लें।

अब जितनी दही आपने ली है, उतनी ही चीनी इसमें मिलाएं और दोनों को मिक्स कर लें। इसके बाद गैस पर एक मोटे तले की कड़ाही चढ़ाएं और मीडियम फ्लेम पर दही वाले मिक्सचर को लगातार चलाते हुए गाढ़ा होने तक पका लें। फ्लेवर और रंगत के लिए आप केसर के कुछ धागे और इलायची पाउडर भी एड कर सकते हैं। इसके बाद 2–3 मिनट के लिए और इस मिक्सचर को पका लें, फिर गैस बंद कर दें।

इसके बाद बर्फी के मिक्सचर को पूरी तरह ठंडा होने दें। फिर इसमें 1 चम्मच पिसी हुई चीनी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। एक ट्रे पर बटर पेपर फैलाएं और उसपर घी लगाकर ग्रीस करें। फिर बर्फी वाला मिक्सचर फैला दें और लगभग 15–20 मिनट के लिए इसे सेट होने दें। अब बर्फी को अपनी मनचाही शेप में काट लें, ऊपर से कटे हुए बादाम और पिस्ता डालकर गार्निश करें। रूम टेंपरेचर पर बर्फी को 2–3 घंटे जमने के लिए रख दें, या फिर फ्रिज में 1 घंटे के लिए रख सकते हैं। दही–चीनी की बर्फी बनकर तैयार है।

बच्चों को जल्दी होता है फ्लू, डॉक्टर से जानें शुरुआती लक्षण और कैसे करें बचाव

○ मानसून सीजन कई बीमारियां लेकर आता है और खासतौर पर बच्चों को ज्यादा खतरा होता है। बदलते मौसम में बच्चे फ्लू का शिकार हो जाते हैं। चलिए आपको इसके शुआती लक्षण और बचाव के तरीके बताते हैं।

बदलता मौसम कई बीमारियां लेकर आता है और खासतौर पर बच्चों को बचाना पेरेंट्स के लिए बड़ा टास्क बन जाता है। वायरल फीवर, डेंगू, मलेरिया जैसी तमाम बीमारियों के अलावा इन्फ्लूएंजा बच्चों में होने का खतरा रहता है। आम भाषा में इसे फ्लू कहा जाता है, जो 5 साल से कम उम्र वाले बच्चों को आसानी से शिकार बना लेता है। यह फ्लू नाक, गले और फेफड़ों पर सीधा असर डालता है और सांस लेने में थोड़ी तकलीफ होने लगती है। कई बार यह सामान्य सर्दी की तुलना में ज्यादा गंभीर हो सकता है। नोएडा के पीडियाट्रिशियन डॉक्टर सौरभ गुप्ता का कहना है कि अगर शुरुआत में ही बच्चे को इलाज मिल जाए तो इन्फ्लूएंजा गंभीर नहीं होता। चलिए आपको इसके शुरुआती लक्षण और बचाव के तरीके बताते हैं।

बच्चों में इन्फ्लूएंजा के लक्षण

–तेज बुखार
–खांसी
–गले में खराश
–नाक बहना या बंद होना
–शरीर और मांसपेशियों में दर्द
–सिरदर्द
–थकान ज्यादा लगना
–छोटे बच्चों में उल्टी या दस्त आना

कैसे फैलता है

इन्फ्लूएंजा एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकता है।

बच्चों में इसका खतरा ज्यादा होता है, क्योंकि वे स्कूल और डे–केयर जैसी जगहों पर एक–दूसरे के पास रहते हैं।

संक्षिप्त

स्कॉट एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी, अब कौन संभालेगा कमान?

एम्सटरडैम,एजेंसी। स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे। यूट्रेक्ट में लीग दो के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जारी एक वीडियो में एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं, लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर रयान कुक और मैंने बात की है और मैंने कई अन्य लोगों से भी इस बारे में चर्चा की है, और अब मुझे यह सही समय लग रहा है। स्कॉट एडवर्ड्स ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा योगदान अभी बहुत बाकी है और भविष्य के लिए निश्चित रूप से मेरा यही लक्ष्य है, दोस्तों। मेरा मानना है कि यह एक बहुत ही खास टीम है। दुनिया हमारे लिए खुली है और मैं आगे आने वाले समय को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं नहीं चाहता था कि इसका असर सीरीज पर पड़े, लेकिन अब बस यहीं तकय पिछले चार वर्षों में आप सभी ने मुझ पर और टीम पर जो मेहनत की है, उसके लिए मैं आपका जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और मुझे ऑरेंज जर्सी पहनना बहुत पसंद है। मैं आने वाले कई वर्षों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एडवर्ड्स जून 2022 में इंग्लैंड के नीदरलैंड्स दौरे के पहले वनडे के बाद पीटर सीलार की जगह टीम के कप्तान बने थे। उनकी कप्तानी में नीदरलैंड्स ने 56 वनडे मैचों में से 24 जीते, जिसमें धर्मशाला में साउथ अफ्रीका और 2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार जीत शामिल है। उन्होंने 50 टी20 मैचों में भी टीम की कप्तानी की और टी20 वर्ल्ड कप 2022 में जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ यादगार जीत हासिल की। नीदरलैंड्स अभी आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग दो में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। चूंकि टॉप चार टीमें क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए क्वालिफाई करती हैं, इसलिए कप्तान के तौर पर डी लीड की पहली जिम्मेदारी टीम को बाकी बचे कैंपेन में आगे ले जाने की होगी।

सालाना आधार पर 15.4प्रतिशत की बढ़ोतरी,क्या दिखाते हैं ये आंकड़े?

नई दिल्ली,एजेंसी। जुलाई 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का कुल संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा।सरकार की ओर से शनिवार को जारी मासिक जीएसटी राजस्व रिपोर्ट के अनुसार, यह जुलाई 2025 के 1.83 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 15.4 फीसदी ज्यादा है। यानी एक साल में जीएसटी संग्रह में 15.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। देश के अंदर होने वाले कारोबार से मिलने वाला घरेलू जीएसटी राजस्व जुलाई 2026 में 10.1 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। जुलाई 2025 में यह 1.31 लाख करोड़ रुपये था। वहीं, आयात से मिलने वाले जीएसटी राजस्व में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। आयात से मिलने वाला जीएसटी 28.8 फीसदी बढ़कर 66,511 करोड़ रुपये हो गया। इससे जुलाई महीने का कुल जीएसटी संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। जीएसटी संग्रह के नए आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद देश में घरेलू खपत और कारोबार की गतिविधियां स्थिर बनी रहीं। घरेलू कारोबार और आयात से मिलने वाले ज्यादा कर संग्रह ने कुल राजस्व बढ़ाने में मदद की है।

भारत-भूटान के बीच 4,000 करोड़ के ऋण समझौते

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने सभी राज्य रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरणों (रेरा) को अमेरिका–ईरान युद्ध से प्रभावित रियल एस्टेट परियोजनाओं के पंजीकरण और निर्माण पूरा करने का समय चार माह बढ़ाने की सलाह दी है। मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी परामर्श में कहा, पश्चिम एशिया तनाव से वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता में कमी आई है और रियल एस्टेट परियोजनाओं में देरी हुई है। मंत्रालय ने राज्यों के रेरा से कहा है कि जिन पंजीकृत परियोजनाओं की मूल या संशोधित या पहले से बढ़ाई गई पूर्णता अवधि 28 फरवरी 2026 या उसके बाद समाप्त हो रही है, उन्हें चार महीने का अतिरिक्त समय दिया जाए। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने पश्चिम एशिया तनाव को अप्रत्याशित घटना की श्रेणी में रखा है। रियल एस्टेट अधिनियम, 2016 के तहत ऐसी परिस्थितियों में पंजीकरण अवधि बढ़ाने का प्रावधान है। भारत और भूटान ने उच्चस्तरीय वार्ता के दौरा विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान 4,000 करोड़ रुपये के रियायती ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए और स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग का विस्तार किया गया। पांचवीं भारत–भूटान विकास सहयोग वार्ता की सह–अध्यक्षता विदेश सचिव विक्रम मिसरी और भूटान के विदेश सचिव दाशो पेमा लेकटुप दोरजी ने की। बैठक में भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना (2024–29) के लिए भारत की 10,000 करोड़ रुपये की सहायता के तहत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा हुई।

भाला-फेंक में कांस्य जीतने वाले यशवीर सिंह के मुरीद हुए नीरज चोपड़ा, क्यों याद आया 2023 एशियन गेम्स?

ग्लास्गो,एजेंसी। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। श्रीलंका के रुमेश पाथिरागे ने 89.75 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि भारत के नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर के साथ रजत और यशवीर सिंह ने आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (पर्सनल बेस्ट) थ्रो कर कांस्य पदक अपने नाम किया। हालांकि मुकाबले के बाद सबसे ज्यादा चर्चा नीरज चोपड़ा के उस बयान की रही, जिसमें उन्होंने अपने पदक से ज्यादा युवा खिलाड़ी यशवीर सिंह की उपलब्धि को अहम बताया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि यशवीर सिंह के साथ पोडियम पर खड़ा होना उनके लिए बेहद खास पल था। उन्होंने कहा कि भारतीय जैवलिन थ्रो का भविष्य काफी मजबूत नजर आ रहा है। नीरज ने कहा, श्मुझे एशियन गेम्स (2023 में आयोजित हुआ था) की याद आ गई, जब मैं और किशोर जेना दोनों ने भारत के लिए पदक जीते थे। यशवीर ने सबसे अहम समय पर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। उनके साथ पोडियम साझा करना मेरे लिए शानदार अनुभव है। कठिन मौसम के बावजूद मैंने अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि मेरी वापसी सही दिशा में आगे बढ़ रही है। कॉमनवेल्थ गेम्स में डेब्यू कर रहे यशवीर सिंह ने प्रतियोगिता का सबसे यादगार पल अपने नाम किया। पहले पांच प्रयासों तक वह पदक की दौड़ से बाहर दिखाई दे रहे थे, लेकिन छठे और अंतिम प्रयास में उन्होंने 85.41 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर सीधे कांस्य पदक पर कब्जा जमा लिया।

इस शानदार प्रयास के साथ उन्होंने अपना पुराना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.72 मीटर भी पीछे छोड़ दिया। यशवीर ने इस थ्रो की बदौलत ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को भी पछाड़ दिया। यशवीर सिंह ने बताया कि शुरुआती पांच थ्रो उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे थे, लेकिन उन्होंने आखिरी प्रयास में सब कुछ दांव पर लगा दिया। यशवीर ने कहा, श्शुरुआत में मेरा थ्रो करीब 81 मीटर तक ही जा रहा था। मैंने देखा कि कांस्य पदक की दूरी लगभग 82 मीटर के आसपास है। तब मैंने खुद से कहा कि मैं इससे आगे फेंक सकता हूं। पहले पांच थ्रो अच्छे नहीं रहे, इसलिए आखिरी प्रयास में मैंने पूरी ताकत झोंक दी। वही थ्रो मुझे मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय पदक दिला गया। हरियाणा के रहने वाले यशवीर सिंह ने पहली बार 2022 में सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्होंने इंडियन अंडर–20 फेडरेशन कप में नीरज चोपड़ा का मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसी प्रतियोगिता में उन्होंने पहली बार 80 मीटर का आंकड़ा भी पार किया। इसके बाद 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 82.57 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं, ताशकंद में आयोजित जी. अर्जुमानोव मेमोरियल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की। अब ग्लास्गो में कॉमनवेल्थ गेम्स का कांस्य जीतकर यशवीर ने साबित कर दिया है कि भारतीय जैवलिन थ्रो को नीरज चोपड़ा के बाद एक और मजबूत दावेदार मिल चुका है।

विश्वकप के मुनाफे के निजीकरण पर यू-टर्न, विरोध के बाद फीफा अध्यक्ष इनफैनटिनो ने वापस लिया प्रस्ताव

न्यूयॉर्क,एजेंसी। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो ने विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों के साथ साझा करने की अपनी विवादास्पद योजना वापस ले ली है। दुनिया भर की प्रमुख फुटबॉल संस्थाओं के तीखे विरोध के बाद इनफैनटिनो को अपने फैसले पर यू–टर्न लेना पड़ा। इनफैनटिनो ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि विभिन्न पक्षों से बातचीत के बाद यह साफ हो गया कि यह प्रस्ताव फुटबॉल जगत में मतभेद बढ़ा रहा है। ऐसे में इसे आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। फीफा अध्यक्ष ने विश्व कप के संचालन और उससे होने वाले राजस्व के लिए करीब 20 अरब डॉलर मूल्य की एक नई कंपनी बनाने का प्रस्ताव रखा था। इस योजना के तहत निजी निवेशकों को भी इसमें हिस्सेदारी देने की बात कही गई थी। हालांकि प्रस्ताव सामने आते ही दुनिया की कई फुटबॉल संस्थाओं ने इसे विश्व फुटबॉल के व्यावसायीकरण की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए विरोध शुरू कर दिया।

सबसे पहले यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने इस योजना का विरोध किया। यूईएफए के 55 सदस्य देशों ने फीफा के प्रस्ताव के खिलाफ विश्व कप और फीफा की अन्य प्रतियोगिताओं के बहिष्कार तक की चेतावनी दी। इसके बाद उत्तरी अमेरिका की फुटबॉल संस्था कॉनकाकाफ और एशियाई फुटबॉल महासंघ (एएफसी) भी विरोध में उतर आए। इन संगठनों का मानना था कि विश्व कप जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के मुनाफे में निजी निवेशकों की भागीदारी फुटबॉल के मूल स्वरूप और उसकी स्वायत्तता पर असर डाल सकती है। विरोध केवल

फुटबॉल संगठनों तक सीमित नहीं रहा। इनफैनटिनो के वरिष्ठ सलाहकार और व्हाइट हाउस की एक समिति के पूर्व सदस्य कार्लोस कॉर्डेइरो ने भी इस योजना का विरोध करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे को भी फीफा पर बढ़ते दबाव की बड़ी वजह माना जा रहा है। लगातार बढ़ते विरोध के बीच इनफैनटिनो ने अपने बयान में कहा, श्सभी पक्षों के विचार जानने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इस योजना ने ऐसे विभाजन पैदा कर दिए हैं, जो इसके मूल उद्देश्य के हित में नहीं हैं।

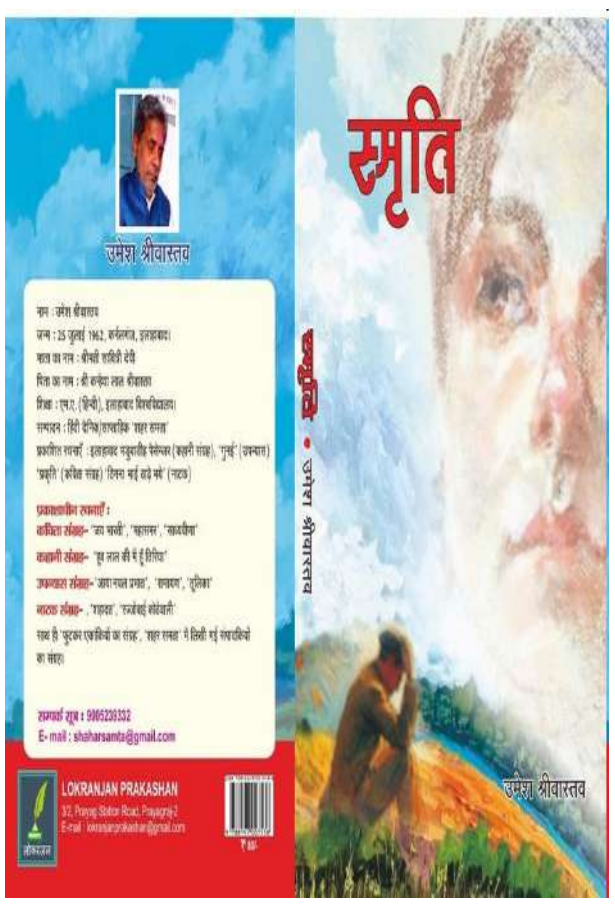

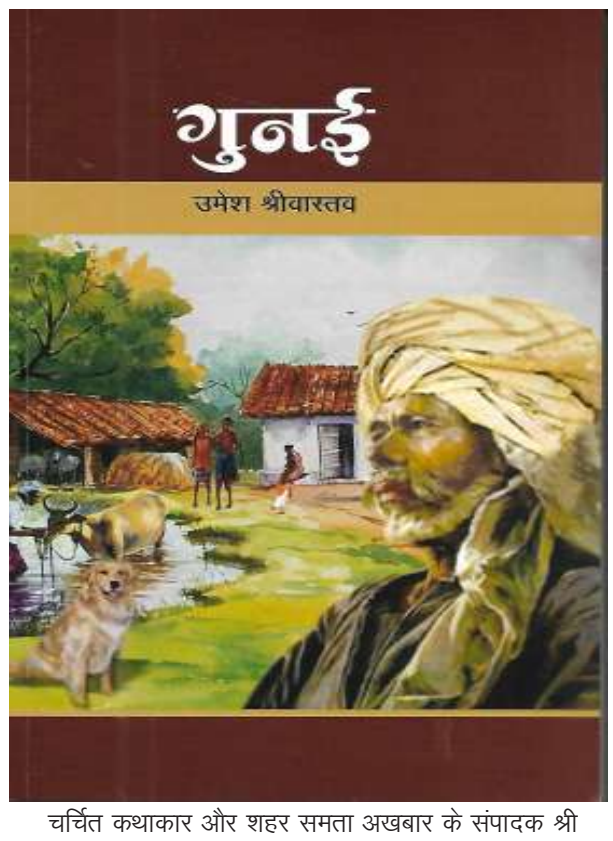

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

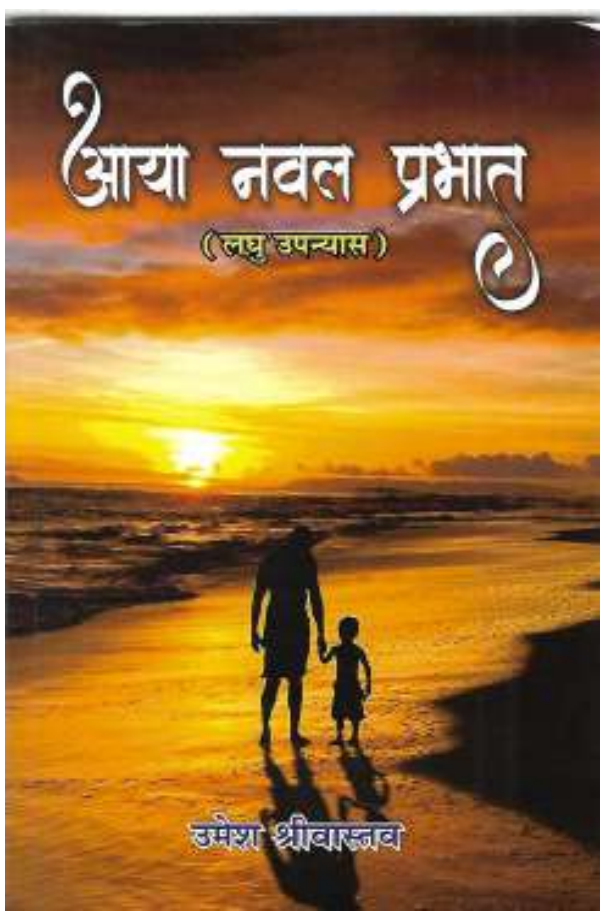

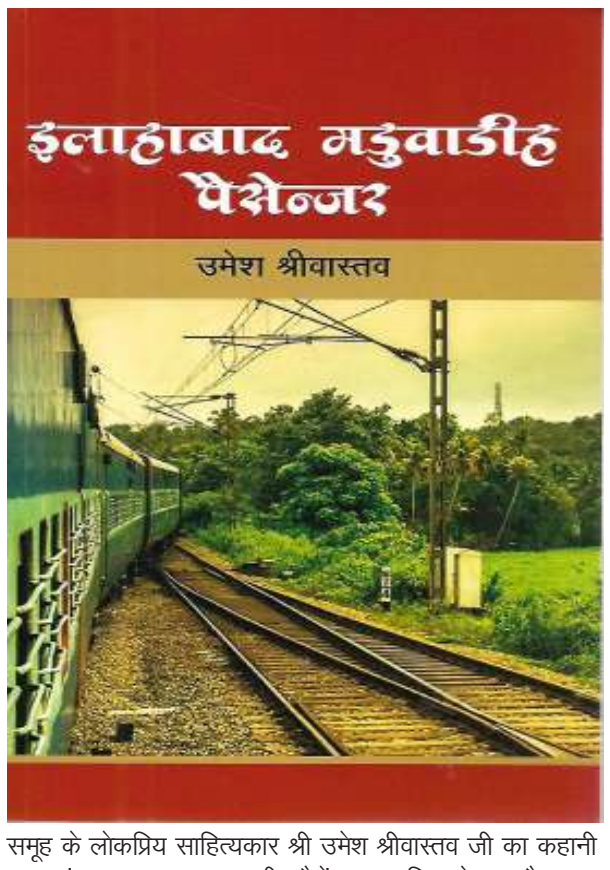

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

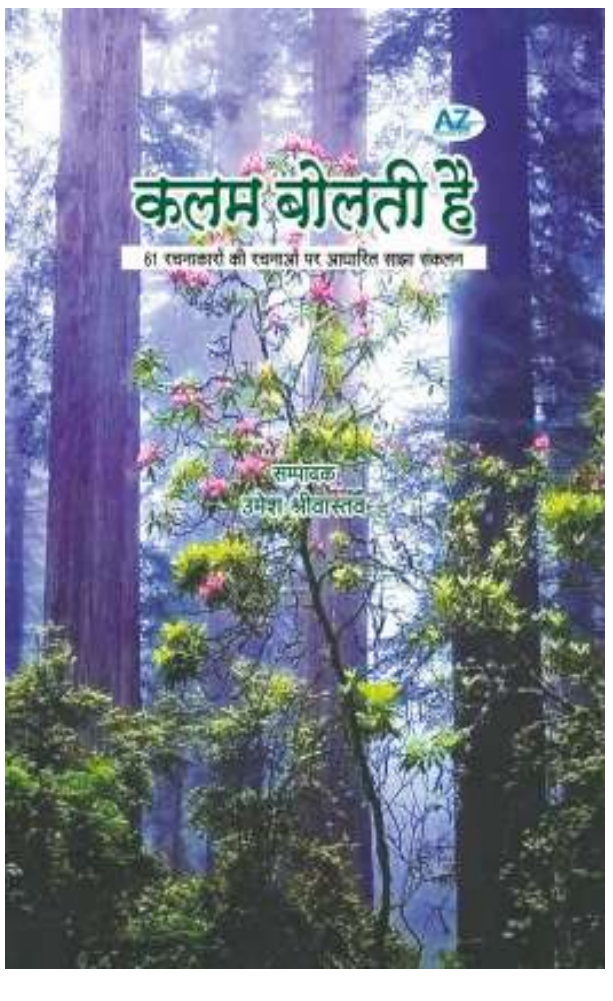

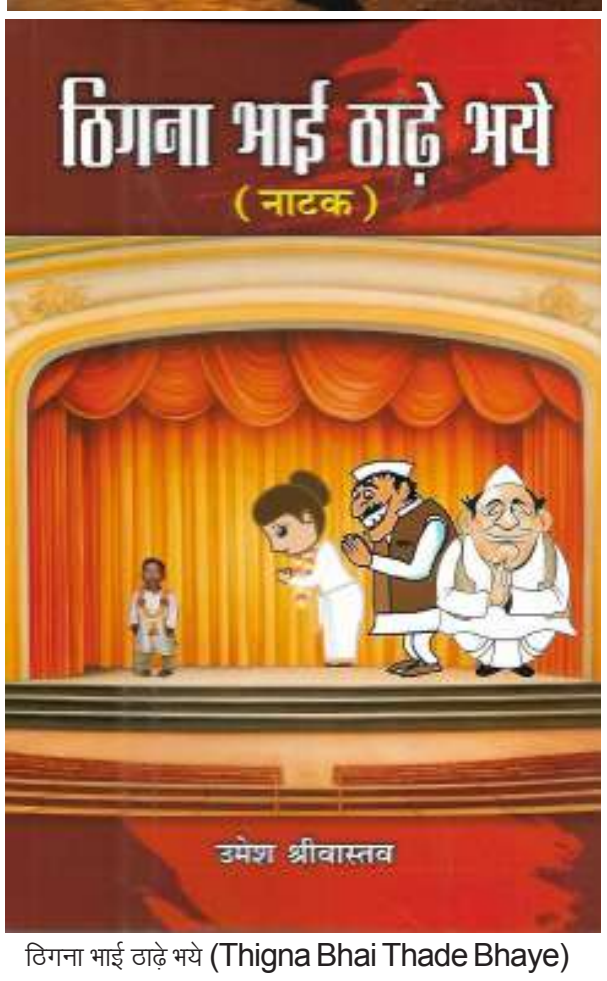

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

श्रीलंका ब्लास्ट: कोर्ट ने पूर्व पुलिस प्रमुख को दी मौत की सजा, एक चूक ने ली थी 260 से ज्यादा लोगों की जान

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में तीन न्यायाधीशों के उच्च न्यायालय के एक पैनल ने पूर्व पुलिस महानिरीक्षक पुजित जयसुंदरा को मौत की सजा सुनाई है। दरअसल, अधिकांश

न्यायाधीशों ने उन्हें पूर्व खुफिया जानकारी प्राप्त होने के बावजूद भी 2019 के ईस्टर संडे आतंकी हमलों को रोकने में विफल रहने का दोषी पाया। न्यायाधीशों ने क्या कहा? वहीं, न्यायाधीश विराज वीरसुरिया ने असहमति वाला फैसला जारी किया। बहुमत के फैसले की घोषणा करते हुए, पीठासीन न्यायाधीश लियानागे ने कहा कि जयसुंदरा उस समय देश के पुलिस प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। नागरिकों की रक्षा करने और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार थे। क्या खुफिया ने हमले की आशंका जताई थी? अदालत ने कहा कि तत्कालीन राज्य खुफिया सेवा के निदेशक निलंथा जयवर्धना ने 20 अप्रैल, 2019 की शाम को जयसुंदरा को सूचित किया था कि अगले दिन कैथोलिक चर्चों और पर्यटक होटलों पर आत्मघाती हमले होने की आशंका है। कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया? हालांकि, अदालत ने कहा कि जयसुंदरा हमलों को रोकने के लिए उपाय करने में विफल रहे। अधिकांश न्यायाधीशों ने कहा कि जयसुंदरा ने अपराध रोकने और जनता की सुरक्षा के लिए नियुक्त राज्य अधिकारी के रूप में अपने दायित्वों की उपेक्षा की थी। उन्होंने अपराधों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए मृत्युदंड सुनाया। असहमति वाले फैसले में क्या कहा गया है? अपने असहमति वाले फैसले में, वीरसुरिया ने कहा कि अभियोजन पक्ष जयसुंदरा के खिलाफ आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा और उन्हें बरी कर दिया। अदालत को फैसला सुनाने में चार घंटे से अधिक का समय लगा। उसी दिन बाद में, अदालत ने पूर्व रक्षा सचिव हेमसिरी फर्नांडो को भी 2019 के आतंकी हमलों से पहले खुफिया चेतावनियों पर कार्रवाई करने में विफल रहने का दोषी पाया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। फैसले के अनुसार, 21 अप्रैल, 2019 को हुए समन्वित बम विस्फोटों में 260 से अधिक लोग मारे गए और 500 से अधिक लोग घायल हुए।

यूरोप बना आग का मैदान, तीन लाख लोग घर छोड़ने को मजबूरय लपटों ने दिखाया विकराल रूप, तोड़े सारे रिकॉर्ड

पेरिस/मैड्रिड, एजेंसी। यूरोप में इस वर्ष जंगलों की भीषण आग ने सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जहाँ फ्रांस, स्पेन और ग्रीस जैसे देशों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुँच गया है, लाखों लोग घर छोड़ने को मजबूर हैं। द गार्जियन के अनुसार पूरे दक्षिणी यूरोप (मुख्यतः फ्रांस, स्पेन, इटली और ग्रीस) में भीषण आग और लू (हीट वेव) के कारण 3 लाख से अधिक लोगों और पर्यटकों को अपने घरों तथा होटलों को छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर शरण लेनी पड़ी है। अकेले फ्रांस

के दक्षिण–पश्चिमी बोर्डो, जिरोंद और लांडेस इलाकों से 2,24,000 से अधिक लोगों को निकाला गया। यूरोपीय वन अग्नि सूचना प्रणाली के ताजा अपडेट के अनुसार, इस साल अब तक यूरोप में 4,34,976 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि तबाह चुकी है। आग के कारण इस साल अब तक 1.79 करोड़ टन कार्बन वायुमंडल में उत्सर्जित हो चुकी है, जो सामान्य औसत से लगभग दोगुनी है। अलजजीरा के मुताबिक अकेले स्पेन में इस महीने की आग में झुलसने से 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 10 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिणी यूरोप का अग्नि परिदृश्य तेजी से अमेरिका के कैलिफोर्निया जैसा बन रहा है, जहां हर वर्ष विशाल और बेकाबू वनाग्नियां सामान्य होती जा रही हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस वर्ष मई से लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और लंबे सूखे ने जंगलों तथा घास के मैदानों को इतना शुष्क बना दिया कि वे मामूली चिंगारी से भी भड़क उठे। अग्निशमन व्यवस्था पर भारी पड़ने लगा जलवायु संकट

पिछले तीन दशकों में दक्षिणी यूरोप में वनाग्नि की घटनाओं में कमी दर्ज की गई थी। इसका श्रेय बेहतर अग्निशमन व्यवस्था, अत्याधुनिक विमान और हेलीकॉप्टर, दमकलकर्मियों के उन्नत प्रशिक्षण तथा जनजागरूकता अभियानों को दिया जाता है। इन प्रयासों ने लंबे समय तक आग पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि अब जलवायु परिवर्तन के कारण बनने वाली अत्यधिक गर्म, शुष्क और तेज हवाओं वाली परिस्थितियां इन व्यवस्थाओं की क्षमता को चुनौती देने लगी हैं। इस वर्ष फ्रांस और स्पेन में लगी आग ने संकेत दिया है कि कई बार मौसम इतना प्रतिकूल हो जाता है कि आधुनिक अग्निशमन संसाधन भी आग की रफ्तार के सामने बेबस नजर आते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पीओके में मानवाधिकार संकट ?: चार दिनों में 50 से ज्यादा लोगों की मौतें, पाकिस्तानी सेना के खिलाफ हुए लोग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अशांति लगातार बढ़ रही है। पिछले चार दिनों में पाकिस्तानी सेना की कब्जे वाले क्षेत्र में की गई क्रूर कार्रवाई में 50 से अधिक लोग मारे गए हैं। वहीं, सैकड़ों घायल हुए हैं। उमर नजीर कश्मीरी ने क्या कहा?

शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के सदस्य सरदार उमर नजीर कश्मीरी ने कहा, 'पिछले चार दिनों में, सुरक्षा बलों ने क्रूर आतंकवाद के जरिए हमारे 50 से अधिक लोगों को मार डाला है, और सैकड़ों घायल हैं..' एक अलग पोस्ट में, जेएएसी ने कहा कि पीओके के मुजफ्फरबाद क्षेत्र में देर रात तक विरोध प्रदर्शन जारी रहे। लोग सड़कों पर डटे रहे और अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा और स्थानीय अधिकारियों द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन की मांग करते रहे। एचआरएफ ने हमले की निंदी की इस बीच, अमेरिका स्थित मानवाधिकार संस्था ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (एचआरएफ) ने शनिवार को पीओके में निहत्थे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी सेना द्वारा कथित तौर पर बल प्रयोग की कड़ी निंदा की, जिसमें क्षेत्र में 50 से अधिक लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए।

एचआरएफ ने क्या कहा? संगठन ने पाकिस्तानी अधिकारियों से हिंसक कार्रवाई समाप्त करने, मोबाइल संचार बहाल करने और बल के सभी गैरकानूनी उपयोग के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने का आह्वान किया। स्थानीय नागरिक समाज समूह का हवाला देते हुए एचआरएफ ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने पीओके में प्रदर्शनों के दौरान हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। इसमें कहा गया है, शविरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने दावा किया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने सबूतों को छिपाने की कोशिश की है। पाकिस्तान ने अस्पतालों से शवों को हटा दिया और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ बैठक हुई इसके अलावा, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के अध्यक्ष सरदार शौकत अली कश्मीरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कई बैठकें कीं, ताकि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को पीओके में पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई क्रूरताओं के बारे में जानकारी दी जा सके। बैठक में क्या हुआ? इन बैठकों के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पीओके में बिगड़ती मानवाधिकार स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। इसने संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय समुदाय, सरकारों, मानवाधिकार संगठनों और लोकतांत्रिक संस्थानों से क्षेत्र में और अधिक जानमाल के नुकसान को रोकने और मौलिक मानवाधिकारों की रक्षा के लिए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह किया। शुक्रवार (31 जुलाई) को पुलिस ने लाहौर प्रेस क्लब के बाहर एक रैली के दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। यहां प्रदर्शनकारी हिंसा की निंदा करने और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कार्यकर्ताओं के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इकट्ठा हुए थे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्लेकार्ड और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के झंडे थे और वे नारे लगा रहे थे। जैसे ही उन्होंने रैली शुरू की, पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए कार्रवाई की और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। जब प्रदर्शन खत्म हुआ, तो अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए लोगों को पुलिस की जेल वैन में पहुंचाया।

यूक्रेन पर रूस का भीषण हमला: कीव पर बरसाईं मिसाइलें और ड्रोन, नौ की मौत, जेलेंस्की ने US से क्या मांगी मदद ?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने शुक्रवार रात से शनिवार तड़के तक बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया। अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 नागरिक घायल हुए हैं। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने टेलीग्राम पर बताया कि सोलोमियांस्की जिले में पांच मंजिला एक रिहायशी इमारत मलबा गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई। यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा के अनुसार, बचावकर्मियों ने इमारत की ऊपरी मंजिलों से 35 लोगों को सुरक्षित निकाला। इस इमारत में दो लोगों की मौत हुई, जबकि दो बच्चों सहित आठ लोग घायल हुए हैं। कहां सबसे ज्यादा तबाही? राजधानी के डारनित्स्की जिले में हमले के कारण मकानों, वाहनों, एक प्रशासनिक भवन और अन्य गैर–रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा। राज्य आपातकालीन सेवा के मुताबिक, इस इलाके में सात लोगों की मौत हुई और 14 अन्य घायल हो गए। वहीं, शेवचेंकिव्स्की जिले में आपातकालीन कर्मियों ने एक गैर–रिहायशी इमारत में लगी आग पर काबू पाया। हालांकि, पहले आई उन खबरों पर कोई नई जानकारी नहीं दी गई, जिनमें एक अन्य रिहायशी इमारत में लोगों के फंसे होने की बात कही गई थी। शहर के दो अन्य जिलों में भी व्यावसायिक और रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचने की सूचना है। एक हफ्ते में कितने लोगों की मौत? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की लगातार अमेरिका और अन्य पश्चिमी सहयोगी देशों से पैट्रियट एंटी–बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली की मांग कर रहे हैं, ताकि रूस के मिसाइल हमलों का प्रभावी जवाब दिया जा सके। शुक्रवार देर रात जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने इसी सप्ताह वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई अपनी बैठक पर भी चर्चा की। जेलेंस्की ने उस बैठक को ष्सकारात्मक और उपयोगीष बताया। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा, ष्हमारे देश पर रूस के हवाई हमले लगातार जारी हैं। हवाई रक्षा प्रणाली, विशेष रूप से बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए पैट्रियट सिस्टम के इंटरसेप्टर, हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं। पैट्रियट सिस्टम पर ट्रंप ने क्यों नहीं लिया अंतिम फैसला? जुलाई में अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट सिस्टम बनाने का लाइसेंस देगा। हालांकि, शुक्रवार को मैरीलैंड स्थित कैंप डेविड में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि इस मामले में अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

क्या ईरान पर नहीं रुकेंगे अमेरिकी हमले ? व्हाइट हाउस ने दिया जवाब,ट्रंप बोले- अब भरोसा खत्म हो रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच व्हाइट हाउस ने संकेत दिए हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर नए सैन्य हमलों पर विचार कर रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोले और पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए संघर्षविराम समझौते की शर्तों का पालन करे। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन का

कहना है कि यह समझौता जल्द ही टूट गया। अमेरिका ने शुक्रवार रात ईरान पर कोई हमला नहीं किया। वहीं, ईरान के अर्धसैनिक संगठन रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में दो और टैंकरों को निशाना बनाया है। उधर, कुवैत ने कहा कि उसने ईरान के ड्रोन हमले को नाकाम कर दिया। व्हाइट हाउस बोला– ईरान को कीमत चुकानी होगी

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान ने पिछले महीने अमेरिका के साथ संघर्षविराम को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन बाद में उसने इसे तोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ने व्यावसायिक जहाजों पर हमला किया और अमेरिकी सैनिकों की जान ली। लेविट ने शुक्रवार शाम जारी बयान में कहा, ष्राष्ट्रपति ट्रंप इस तरह के आतंकवादी व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जब तक ईरान राष्ट्रपति ट्रंप की नजर में सार्थक तरीके से बातचीत की मेज पर नहीं आता, तब तक उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। इससे पहले शुक्रवार को मैरीलैंड स्थित कैंप डेविड में कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगा। उन्होंने कहा, ष्हम बस जीतना चाहते हैं।ष ट्रंप ने कहा, ष्हम उन पर बहुत कड़ा प्रहार करेंगे। एक समय ऐसा आएगा जब वे कहेंगे कि अब हम और बर्दाश्त नहीं कर सकते। ट्रंप बोले– ईरान पर भरोसा खो रहा हूं कैंप डेविड में कैबिनेट बैठक के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका ईरान पर से भरोसा उठता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेहरान बार–बार अपने वादों से मुकर जाता है, जबकि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। ट्रंप ने कहा, ष्ये झूठ बोलते हैं और तथ्यों को तोड़–मरोड़कर पेश करते हैं। वे हमेशा बातचीत करना चाहते हैं, लेकिन बार–बार अपना वादा तोड़ देते हैं। कड़ी टिप्पणी के बावजूद ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच शीर्ष स्तर पर बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो वार्ता टीम के प्रमुख सदस्य हैं। उन्होंने कहा, ष्हमारे बहुत अच्छे लोग बातचीत कर रहे हैं। क्या ईरान पर फिर से हमला करेगा अमेरिका? ट्रंप ने क्षेत्रीय सुरक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि जब बातचीत चल रही थी, उसी दौरान जॉर्डन में स्थित एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला हुआ। उन्होंने कहा, ष्मुझे पीट हेगसेथ का फोन आया कि उन्होंने जॉर्डन में हमारे एक सैन्य अड्डे पर पांच मिसाइलें दाग दी हैं।ष आगे और हमलों की आशंका पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, ष्अगर मैं कहूं कि ऐसा नहीं होगा तो यह मेरी मूर्खता होगी। आपको हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। ईरान की दीर्घकालिक क्षमता पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने कहा, ष्ये कमजोर होंगे। अभी शायद थोड़े मजबूत दिखें, लेकिन फिर कमजोर पड़ जाएंगे और आखिरकार उनकी ताकत खत्म हो जाएगी।ष ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब वॉशिंगटन और तेहरान के बीच ईरान के परमाणु कार्यक्रम और व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे विवादों को लेकर बातचीत जारी है।

ईरान पर हमला रोकना अब मुश्किल?: अमेरिकी सीनेट में एक वोट से गिरा अहम प्रस्ताव, ट्रंप के पक्ष में गया फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्तियों को सीमित करने की कोशिश को बड़ा झटका लगा है। ईरान के खिलाफ किसी भी नए सैन्य हमले से पहले कांग्रेस की मंजूरी अनिवार्य करने वाला प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में महज एक वोट से खारिज हो गया। इस नतीजे के बाद ट्रंप को फिलहाल राहत मिली है। कैसे गिर गया प्रस्ताव? अमेरिकी सीनेट में इस प्रस्ताव पर हुई वोटिंग में 49 सांसदों ने समर्थन और 50 सांसदों ने विरोध किया। इस वजह से प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। इस दौरान पेन्सिलवेनिया से रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैकॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यदि वह मतदान करते और प्रस्ताव के पक्ष में वोट देते, तो नतीजा बदल सकता था। क्या था प्रस्ताव का उद्देश्य? इस प्रस्ताव का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ कोई भी नया सैन्य अभियान शुरू करने से पहले अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी लें। यदि यह प्रस्ताव पारित हो जाता, तो राष्ट्रपति अकेले युद्ध जैसे बड़े फैसले नहीं ले सकते थे। फिलहाल यह प्रस्ताव सीनेट की विदेश मामलों की समिति में लंबित है। इसे पेश करने वाले सांसद चाहते थे कि इसे सीधे पूरी सीनेट में चर्चा और मतदान के लिए लाया जाए, लेकिन पर्याप्त समर्थन नहीं मिलने से ऐसा नहीं हो सका। ट्रंप के हमलों के बाद उठी थी मांग हाल के हफ्तों में ईरान पर हुए अमेरिकी हवाई हमलों के बाद विपक्षी डेमोक्रेटिक सांसदों के साथ कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने भी राष्ट्रपति की सैन्य शक्तियों पर नियंत्रण की मांग तेज कर दी थी।

भारत की नकल कर पाकिस्तान ने बनाई 'कॉकरोच पार्टी': किन मुद्दों पर लड़ेगा यह समूह, क्या है इसका प्लान?

इस्लामाबाद, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन का असर अब पाकिस्तान में भी दिखने लगा है। भारत के युवाओं के आइडिया को चुराते हुए सोशल मीडिया पर श्कॉकरोच पार्टी पाकिस्तानश नाम से खाता बनाया गया है। यह सोशल मीडिया खाता भ्रष्टाचार, खराब शासन और आर्थिक संकट के मुद्दों को उठा रहा है। क्या है इस समूह का एजेंडा? इस समूह का कहना है कि उसका एजेंडा आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता, अच्छी शिक्षा, देश के ऊर्जा संकट को हल करना और पानी की कमी की समस्या दूर करना है। इंस्टाग्राम पर इस समूह के खाते पर 1.12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आंदोलन का नारा है – पाकिस्तान इसके लोगों का है, भ्रष्ट माफियाओं का नहीं। समूह खुद को युवाओं की ओर से चलाया जा रहा एक ऐसा अभियान बताता है, जो एकता और बदलाव की बात करता है। इंस्टाग्राम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस खाते को मई में बनाया गया था और इसे कनाडा से चलाया जा रहा है। इसी महीने इसे सत्यापित (वेरिफाइड) भी किया गया है। क्या राजनीति में उतरने की तैयारी है? कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान ने पार्टी के अलग–अलग पदों के लिए आवेदन भी मांगे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह समूह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि अपना संगठन खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। घोषणापत्र में समूह ने क्या कहा? हाल ही में जारी किए गए अपने घोषणापत्र में समूह ने कहा कि यह आम पाकिस्तानियों खासकर युवाओं की आवाज है। ये लोग भ्रष्टाचार, परिवारवाद वाली राजनीति और ऐसी व्यवस्था से परेशान हैं, जहां कुछ खास लोगों को ज्यादा लाभ मिलता है। समूह ने पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक सुधारों को बढ़ावा देने का वादा किया है। साथ ही रोजगार बढ़ाने, शिक्षा, शासन व्यवस्था में सुधार और पाकिस्तान के ऊर्जा संकट के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है।

स्पेन में सेना क्यों बुलानी पड़ी, इटली-फ्रांस में कैसी सख्ती, यूरोपीय देशों में क्या हो रहा?

स्यूटा/फ्निदेक, एजेंसी। स्पेन के स्यूटा में बृहस्पतिवार को उस समय अभूतपूर्व संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई जब 24 घंटे के भीतर 84 हजार आबादी के शहर में करीब 60 हजार प्रवासी यहां घुस गए। मोरक्को से आए प्रवासियों की यह भीड़ यूरोपीय देशों में प्रवेश पाने के इरादे से यहां घुसी थी। अचानक भीड़ बढ़ने से हालात इस कदर बिगड़ गए स्पेन को सेना बुलानी पड़ी। इस दौरान कई जगहों पर झड़पों की खबर है। भगदड़ और बवाल में 34 लोगों की मौत की खबर है। क्या हुआ स्यूटा में? प्रवासियों का हुजूम स्यूटा के पास एक पहाड़ी पर इकट्ठा देखा गया। इन्हें मोरक्को के बलों ने आंसू गैस के गोले दागकर तितर–बितर किया, जबकि अन्य लोग तैरकर स्पेन के इलाके में जाते रहे। स्पेन के गृह मंत्रालय ने बताया कि करीब 25,000 लोग वापस लौट चुके हैं। सामने आए वीडियो फुटेज में कई लोग समुद्र पार करते नजर आए। कई लोग स्पेन विवा एस्पाना (स्पेन जिंदाबाद) के नारे लगा रहे थे। मोरक्को के 33 साल के अहमद करीम ने कहा कि उन्होंने अपने देश में नौकरी न होने की वजह से स्यूटा में प्रवेश किया। बिगड़ते हालात के बीच स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज शुक्रवार को खुद हालात का जायजा लेने के लिए स्यूटा पहुंचे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।